

लहर - 2

द्वितीय भाषा हिंदी
कक्षा-7 की पाठ्य-पुस्तक

पाठ्य-पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

डॉ. बी. प्रताप रेड्डी

आयोजन प्रभारी

निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, ओँध्र प्रदेश

श्री डी. मधुसूधनराव

निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, अमरावति, ओँध्र प्रदेश

समन्वयक :

डॉ. के. सुब्रह्मण्यम

M.Sc., M.A., M.Ed., M.Phil, Ph.D

प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

संपादक मंडल :

प्रोफेसर एस.एम.इकबाल

अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, ओँध्र विश्वविद्यालय,
विशाखपट्टनम

डॉ. ओरुगंटी सीता राम मूर्ती

अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बी.वी.के कॉलेज,
विशाखपट्टनम

प्रोफेसर आर.एस.सर्वजु

हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय,
हैदराबाद

डॉ. वै.ललिता कुमारी

सहायक आचार्या, डी.बी.हेच.पी.एस बी.एड कॉलेज,
विजयवाडा

स्वीकृति :

प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हर्याणा

प्रोफेसर मोहन

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली



ओँध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित, विजयवाडा

© Government of Andhra Pradesh, Amaravati.

New Impressions - 2021

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copyright holder of this book is the Director, State Council of Educational Research and Training, Amaravati, Andhra Pradesh.

This Book has been printed on 70 G.S.M. SS Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

समग्र शिक्षा आंश्र प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण

Printed in India
at the Andhra Pradesh Govt. Text Book Press,
Amaravati,
Andhra Pradesh.

आमुख - 1

आँध्र प्रदेश में द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी भाषा का शिक्षण आरंभ होता है। सरकार की परिवर्तित शिक्षा नीति के अनुसार 2021-22 शैक्षिक वर्ष से सरकारी पाठशालाओं में 1-7 तक कक्षाओं में नई राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली लागू की गई। इसके अनुसार पाठ्य-पुस्तक का नया संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः बारह-तेरह की होती है। इस आयु में बालकों में अपने चारों ओर की वस्तुओं के विषय के प्रति असीम जिज्ञासा होती है। इसलिए रोचक शैली में बालकों की कल्पना शक्ति को सृजनात्मकता की ओर अग्रसर करने की सामग्री देने का प्रयत्न किया गया।

बालक साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में भाषा को सीखते हैं। आर.टी.ई-2009, एन.सी.एफ-2005, एन.सी.एफ-2010 एवं एन.ई.पी-2019 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का निर्माण किया गया है। त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम से कम तीन भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। सातवीं कक्षा के स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना इस पाठ्य-पुस्तक के उद्देश्य हैं।

इस पाठ्य पुस्तक में रंग-विरंगे चित्रों के साथ कविताओं, चित्रकहानी, जीवन की घटना, कहानी, पत्र लेखन को स्थान दिया गया है। उक्त सभी विषयों के साथ सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के अंतर्गत अभ्यास भी दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषा सीखने में सहायक होते हैं।

शिक्षा के द्वारा ही समाज का विकास साध्य होता है। इस तथ्य को माननेवाले आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय श्री. वै.एस.जगनमोहन रेड्डी जी, शिक्षा मंत्री महोदय श्री आदिमूलपु सुरेश जी सब को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के लिए सदा परिश्रम करते रहते हैं। इन दोनों को बहुत-बहुत धन्यवाद। पाठ्यपुस्तकों की तैयारी में अपनी मूल्यवान सूचनाएँ देते हुए, समीक्षा करते हुए हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करनेवाले पाठशाला शिक्षा मुख्य सचिव श्री बुडिति राजशेखर, आइ.ए.एस जी को, पाठशाला शिक्षा कमीशनर (आयुक्त) श्री वाड्रेवु चिनवीरभद्रुदु, आइ.ए.एस जी को, राज्य परियोजना निदेशक, अंग्रेजी माध्यम के विशेष अधिकारी श्रीमति के. वेट्रिसेल्वी, आइ.ए.एस जी को बहुत बहुत धन्यवाद।

“प्रो.लालचंद गुप्त मंगल” अधिष्ठाता कला एवं भाषा संकाय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, “प्रो.मोहन” हिंदी विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय आवश्यक सूचनाएँ देकर हमें मार्गदर्शन दिए हैं। उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, एन.सी.इ.आर.टी, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, विद्याभारती तथा अन्य सभी राज्य परिषदों तथा अन्य सभी जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
आँध्र प्रदेश

विषय समन्वयक

डॉ. शेक कालेशा बेगम, M.Sc, MA, MA, B.Ed, Ph.D

पाठ्यक्रम व पाठ्य-पुस्तक विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आंश्र प्रदेश

सहभागी गण

डॉ. भागवतुल मधुमती

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
गोरपल्ली, विशाखपट्टनम

पोरंकी नागराजु

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
कामवरपुकोटा, पश्चिम गोदावरी

शेक मुहम्मद यासीन

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
बुदिली, अनंतपुरम

डॉ. एम.खदीरुल्ला खान

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
कटिमायकुंटा, वै.एस.आर कडपा

के.स्वामिनाथन

राज्य संसाधक, सरकारी उच्च पाठशाला,
कोरुकोंडा, पूर्वी गोदावरी

सी.हेच.एम.सुधाकर

राज्य संसाधक, एम.पी.यू.पी. पाठशाला,
रेड्हिपल्ली, अनंतपुरम

देवरपल्ली कुमार

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
आई.अनंतराजु पेटा, वै.एस.आर कडपा

आई.संतोष कुमार

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
सुंदरापुरम, श्रीकाकुलम जिला

डॉ. विंजनंपाटि यशोधरा

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
गोटिटपाडु, गुंटूर जिला

एस.लता

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
वेंपल्ली, वै.एस.आर कडपा

डॉ. एम.गोपीनाथ

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
निंडगल्लु, विजयनगरम

वी.रवींद्रलाल

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
नागलदिन्ने, कर्नूल

शेक मुहम्मद शरीफ

राज्य संसाधक, मुनिसिपल कार्पोरेशन उच्च पाठशाला,
ग्रीम्स पेटा, चित्तूर

मोगल खाजा हुस्सेन

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
नागिरेड्हिपल्ली, वै.एस.आर कडपा

के. राजशेखर

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
मन्नूरु, वै.एस.आर कडपा

कैलासम शंकरव्या

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
चिल्लकूरु, एस.पी.एस.आर. नेल्लूरु

तकनीकी सहायता

डी.टी.पी. पेज ले-अवृट : रश्मि ग्राफिक्स

के.नागमणि, एस.ए.हिन्दी, के.जी.बी.वी.गंगवरम, चित्तूर

एम.वी.वी.एन.बलराम मूर्ति, तकनीकी सहायता, जि.प.उच्च पाठशाला, वल्लिपाडु, प.गोदावरी जिला
वी.एस.वी.रमेश, कलाकार, जि.प.उच्च पाठशाला, मल्लवोलु, कृष्णा जिला

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ



- * एन.ई.पी. 2020 की सुझावों के अनुसार सातवीं कक्षा के पाठ्य पुस्तक में आवश्यक परिवर्तन किये गये हैं।
- * इस पाठ्य-पुस्तक में 6 पाठ हैं। इन्हें निर्धारित शैक्षिक वर्ष में सेमिस्टर योजना के अनुसार पढ़ाएँ।
- * इस पाठ्य-पुस्तक से अपेक्षित कौशलों के अनुरूप छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
- * मानक पद्धति के अनुसार भाषा सिखाने के अभ्यास दिये गये हैं। अध्यापक छात्रों का उचित मार्गदर्शन करें।
- * रोचक कहानियों और कविताओं से छात्रों में मनोरंजन के साथ-साथ हिंदी के प्रति अपनेपन की भावना बढ़ती है। गीतों के गायन से छात्रों में सहज रूप से मौखिक हिन्दी शब्दावली का विकास होता है। उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ भी दूर हो सकती हैं।
- * पाठ्यपुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनकी सहायता से बच्चों से बातचीत करें और करवायें। विवेक बढ़ाने वाले प्रश्न पूछें। बालकों को विविध दृष्टिकोणों से सोचने का अवसर दें।
- * हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, जैसे भाषा कौशलों के साथ भाषांश सुजनात्मकता और व्याकरणांशों से संबंधित अभ्यास दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग करें। सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में वैयक्तिक और सामूहिक रूप से करवायें।
- * पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य पाठ्य पुस्तक में संदर्भानुसार वैयक्तिक या सामूहिक रूप से करवायें।
- * कृपया अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ इनका सफलता पूर्वक सदुपयोग करें।
- * इस पाठ्य पुस्तक में व्यावहारिक जीवन संबंधी कुछ आवश्यक शब्दावली का परिचय चित्रों के सहारे दिया गया है।
- * अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ अपनी ओर से आवश्यकता के अनुसार शिक्षण में अतिरिक्त जानकारी प्रदान करें।
- * इस पुस्तक का लक्ष्य बालकों को भाषा सीखने के लिए प्रेरणा देना है। अतः पुस्तकालय का सदुपयोग करने की दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
- * विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानवीय मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, देश भक्ति, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दें, जिस से छात्र आदर्श नागरिक बन सकें।

विद्यार्थियों के लिए सूचनाएँ

- * त्रिभाषा सूत्र के अनुसार छठीं कक्षा से हिंदी भाषा का शिक्षण आरंभ होता है ।
- * राष्ट्र भाषा हिंदी का ज्ञान प्राप्त करना हर भारतीय का कर्तव्य है । हिंदी आपके लिए नयी भाषा है, पर सरल और सुंदर भाषा है ।
- * इस पाठ्य पुस्तक में चित्र-कथा, रंग-बिरंगे चित्रों को स्थान दिया गया है । इनके द्वारा आप सहज और मनोरंजक रूप से भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं । बोलने की क्षमता को विकसित कर सकते हैं ।
- * सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना - कौशलों के विकास के लिए पर्याप्त अभ्यास दिये गये हैं । इनके द्वारा श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल और लेखन कौशल का विकास करें ।
- * लिखित कार्य करते समय लिखे जानेवाले वर्णों, शब्दों एवं वाक्यों का मौखिक उच्चारण भी अवश्य करें ।
- * यह पुस्तक आपके दिल में जरूर हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराएगी । खेल-खेल में आप हिंदी भाषा को सीख सकेंगे ।



सेमिस्टर-1

क्या...कहाँ ?

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
	सन्नद्धता कार्यक्रम		जून	
1.	ज्ञान हम को दीजिए	कविता	जुलाई	1
2.	होशियार कौआ	चित्र-कथा	जुलाई	9
3.	आदिवासी नृत्य - धिंसा	जीवन की घटना	अगस्त	21
4.	हम नहें बच्चे	कविता	अगस्त	29
5.	ईमानदारी का फल	कहानी	सितंबर	37
6.	पत्र लेखन	पत्र	अक्टूबर	45

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सरयश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम् वंदेमातरम्

- बंकिमचंद्र चटर्जी

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!

भारत भाग्य विधाता।

पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंगा ।

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंगा ।
तव शुभ नामे जागे ।
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय गाथा!

जन-गण-मंगलदायक जय हे!

भारत-भाग्य-विधाता।

जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

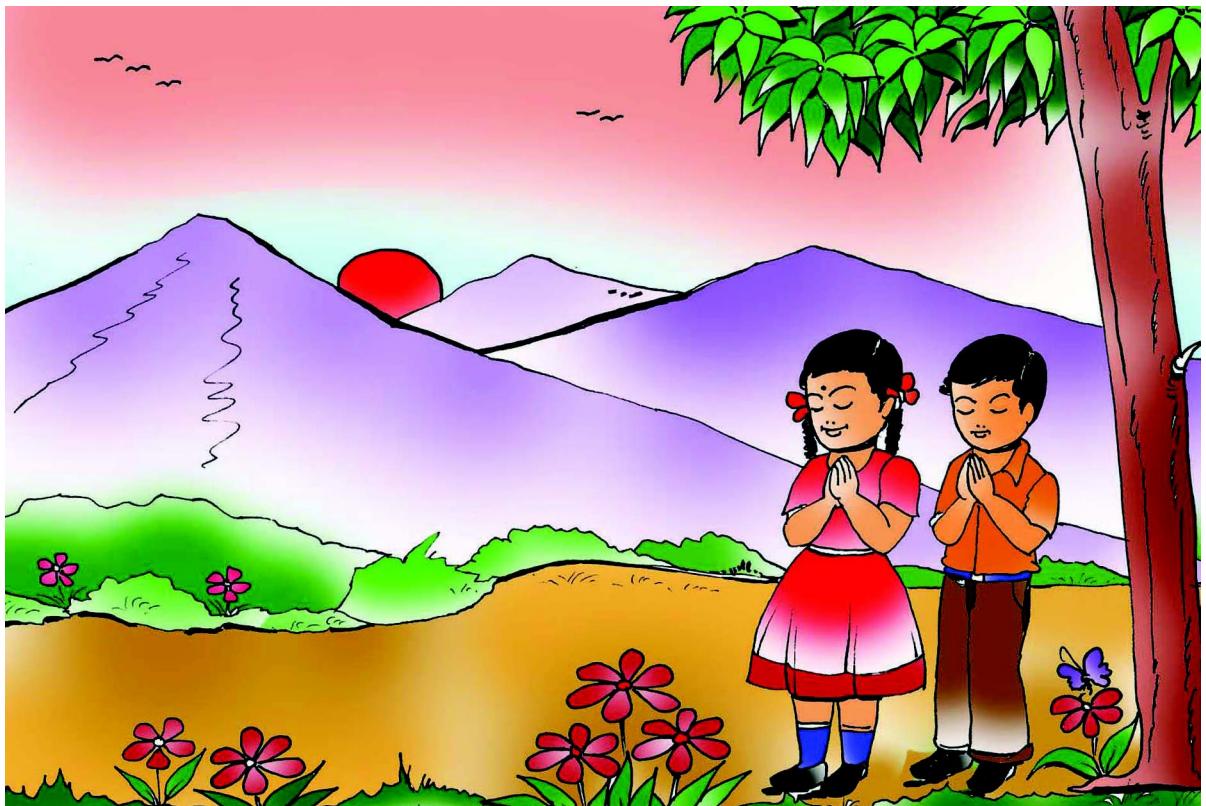
- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं । मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ तथा इसकी समृद्धि और विविध संरकृति पर मुझे गर्व है । मैं इसके योग्य होने के लिए सदैव प्रयत्न करता रहूँगा । मैं अपने माता-पिता अध्यापकों और बड़ों का आदर करूँगा और सब के साथ शिष्टतापूर्वक व्यवहार करूँगा । मैं अपने देश एवं देशवासियों के प्रति निष्ठा बनाये रखने की प्रतिज्ञा करता हूँ । उनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।



सोचिए - बोलिए



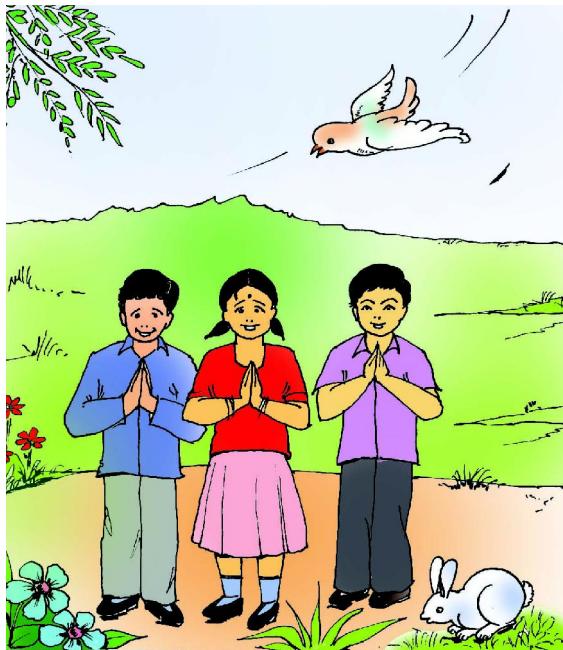
प्रश्न

1. इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?

ज्ञान का अर्थ है जानना । हम गुरु से जानकारी लेते हैं । भगवान से प्रार्थना करते हैं । वे हमें ज्ञान प्रदान करते हैं । आज हम ऐसी ही कविता पढ़ेंगे ।

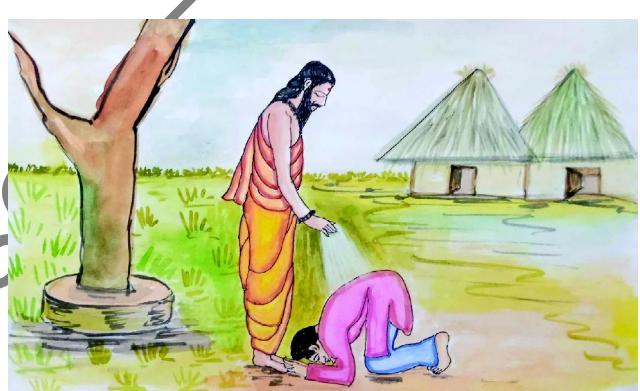
1. ज्ञान हम को दीजिए

- राम नरेश त्रिपाठी
1889-1962



सत्य बोलें, झूठ त्यागें मेल आपस में करें ।
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें ।
प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें ।
हे प्रभु आनंद दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ॥

हे प्रभु आनंद - दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हम से कीजिए ।
लीजिए हम को शरण में हम सदाचारी बनें ।
निंदा किसी की हम किसी से भूल कर भी न करें ।
ईर्ष्या कभी भी हम किसी से भूलकर भी न करें ।
हे प्रभु आनंद दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ॥



बोलिए :

- प्रार्थना हम किस से करते हैं ?
- प्रार्थना हम क्यों करते हैं ?

कविता का सारांश

बालक भगवान से प्रार्थना करते हैं कि - ‘हे भगवान ! हम को ज्ञान दीजिए । जल्दी हमारे दुर्गुणों को हम से दूर कीजिए । हम किसी की निंदा न करें । हम किसी से ईर्ष्या न करें । हम हमेशा सच कहें । झूठ त्याग दें । हम हमेशा गुरुजनों की सेवा करें । हम प्रेम से संस्कृति की सेवा करें । यही हमारी प्रार्थना है ।’

शब्दार्थ :

1. प्रभु	=	भगवान्	5. ईर्ष्या	=	जलन
2. शीघ्र	=	जल्दी	6. त्यागना	=	छोड़ना
3. दुर्गुण	=	बुरे गुण	7. नित्य	=	सदा
4. निंदा	=	बुराई	8. झूठ	=	असत्य

श्रुतलेख :

प्रभु ज्ञान शीघ्र ईर्ष्या सत्य संखृति



सुनिए-बोलिए

1. बालक भगवान से क्या प्रार्थना करते हैं ?
2. बालक किनकी सेवा करना चाहते हैं ?
3. बच्चे किसे त्यागना चाहते हैं ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|-------------|------------------------|
| 1. प्रभु | कभी नहीं बोलना चाहिए । |
| 2. गुरुजनों | से दूर रहना चाहिए । |
| 3. सत्य | आनंददाता है । |
| 4. झूठ | हमेशा बोलना चाहिए । |
| 5. दुर्गुण | की सेवा करनी चाहिए । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रम संख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें। []
2. शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हम से कीजिए। []
3. सत्य बोलें, झूठ त्यागें, मेल आपस में करें। []
4. निंदा किसी की हम किसी से भूल कर भी न करें। []
5. हे प्रभु आनंददाता! ज्ञान हम को दीजिए। [1]

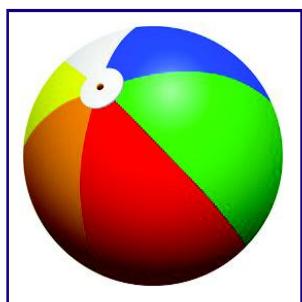
इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला “○” बनाइए।

- | | | | |
|-------------|----------|----------|----------|
| 1. प्रभु | परभु | प्रबु | प्रभू |
| 2. शिग्र | शीग्र | शीघर | शीघ्र |
| 3. ईरष्या | ईर्ष्या | इर्ष्या | ईरुष्य |
| 4. संस्कृति | समस्कृति | समस्कृति | संस्कृति |
| 5. नित्य | निल्य | नीत्य | नित्य |

ई) नीचे दिए गए वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला ‘○’ बनाइए।



1. हमें बड़ों की सेवा करनी चाहिए।
2. बच्चे प्रार्थना करते हैं।
3. दूध पीने से शक्ति मिलती है।



4. हम सब गेंद से खेलते हैं।
5. कृषक खेत जोतते हैं।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. आनंद-दाता कौन हैं ? वे हमें क्या देते हैं ?
2. हम सदाचारी कब बन पाते हैं ?
3. गुरुजनों की सेवा कैसे करनी चाहिए ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच - छह वाक्यों में लिखिए।

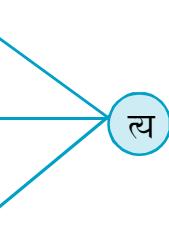
1. “ज्ञान हम को दीजिए” पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

इ) अवित शब्दों से खाली जगह भरिए।

1. भगवान प्रदान करते हैं। (ज्ञान / अज्ञान)
2. हमें से दूर रहना चाहिए। (सुगुण / दुर्गुण)
3. आपस में हमें रहना चाहिए। (मिलजुलकर / इगड़ते)
4. हमें बोलना चाहिए। (सत्य / झूठ)
5. गुरुजनों की सेवा करनी चाहिए। (कभी कभी / नित्य)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द बनाइए।

स



1. सत्य.....

2.

3.

नि

न्

संस

प्र

वि

कृति

1.

2.

3.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. सत्य : स् + अ + त् + य + अ
2. नित्य : _____
3. प्रभु : _____
4. ईर्ष्या : _____
5. दुर्गुण : _____



अ) निम्न वर्ग पहली देखकर पाठ में आये शब्दों को लिखिए।

प्र	आ	नं	द	सं
भु	शी	घ्र	प्रे	स्
ज्ञा	त	ह	म	कृ
न	ल	निं	दा	ति
गु	रु	ज	न	क

1. प्रभु
2.
3.
4.
5.

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. प्रभु - ईश्वर, भगवान
2. आनंद - ,
3. सत्य - ,
4. नित्य - ,
5. सेवा - ,



इ) विलोम शब्द लिखिए।

1. ज्ञान × अज्ञान
2. जल्दी ×
3. सदाचार ×
4. सत्य ×
5. नित्य ×



सृजनात्मकता

अ) गाँव का चित्र देखकर शब्द लिखिए।



परियोजना कार्य :

आ) एक छोटी-सी कविता ढॉड़िए। कक्षा में दिखाइए।

अनुवाद कीजिए।

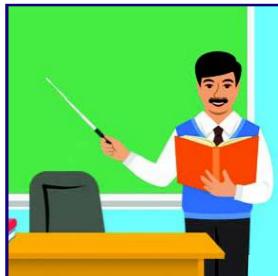
1. मैं छात्र हूँ।
2. मैं पाठशाला जाती हूँ।
3. लड़का खेलता है।
4. मुझे पढ़ना पसंद है।
5. मेरे हाथ में कलम है।



व्याकरणांश



पुस्तक



अध्यापक



स्थाही

संयुक्ताक्षर

दो भिन्न व्यंजनों के मेल को संयुक्ताक्षर कहते हैं।

उदा : सत्य, शक्ति, शब्द, स्वयं आदि।



निम्न लिखित शब्दों में संयुक्ताक्षरों को रेखांकित कीजिए।

शब्द

चम्मच

सत्य

क्या

डिब्बा

अध्यापक

मुश्किल

सत्य

शक्ति

दोस्त

शक्ति

धर्म

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. 'ज्ञान हम को दीजिए' कविता के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों में संयुक्ताक्षर पहचान सकता / सकती हूँ।		

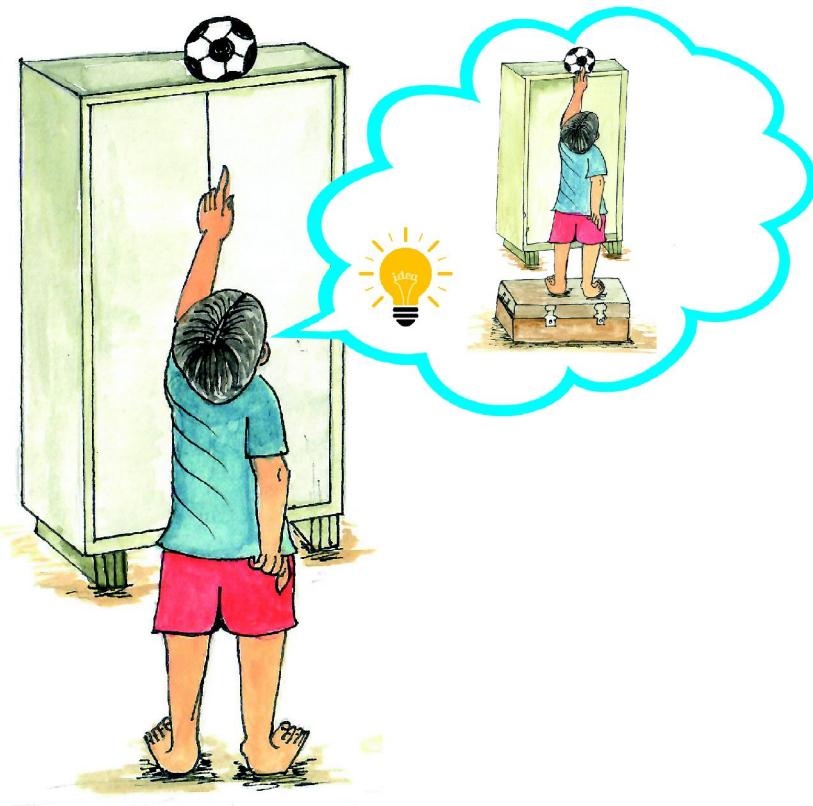
अध्यापकों के लिए सूचना :

राम नरेश त्रिपाठी जी की अन्य रचनाओं में नैतिक गुणों से संबंधित एक और रचना बच्चों को परिचय दीजिए।

होशियार कौआ



सोचिए - बोलिए

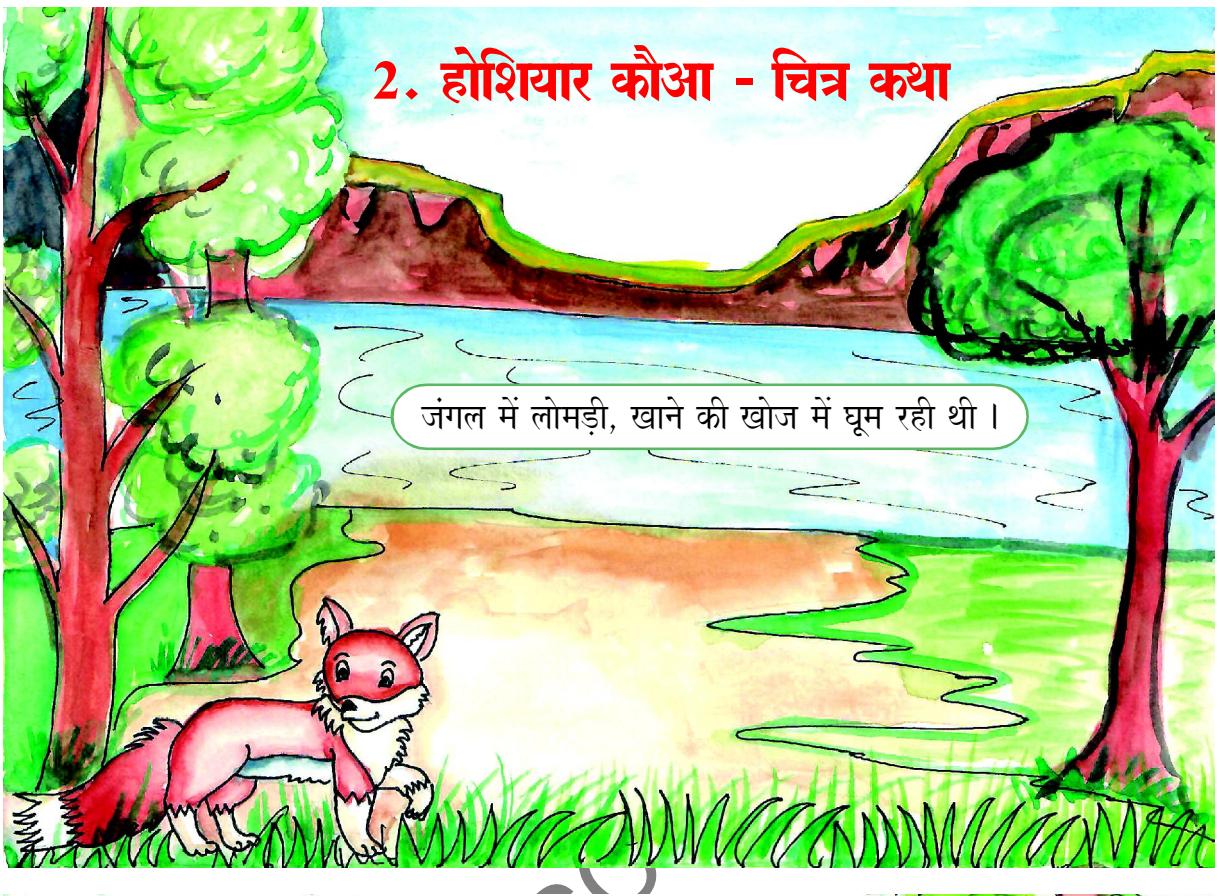


प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. लड़का क्या कर रहा है ?

समस्याओं का हल करने के लिए सोचना जरूरी है। इसके साथ-साथ विवेक भी होना चाहिए। इससे हर जगह सफलता मिलती हैं। इसी प्रकार कुछ कल्पित पात्रों के सहारे विवेक पाने की प्रेरणा देनेवाली कहानी पढ़ेंगे।

2. होशियार कौआ - चित्र कथा



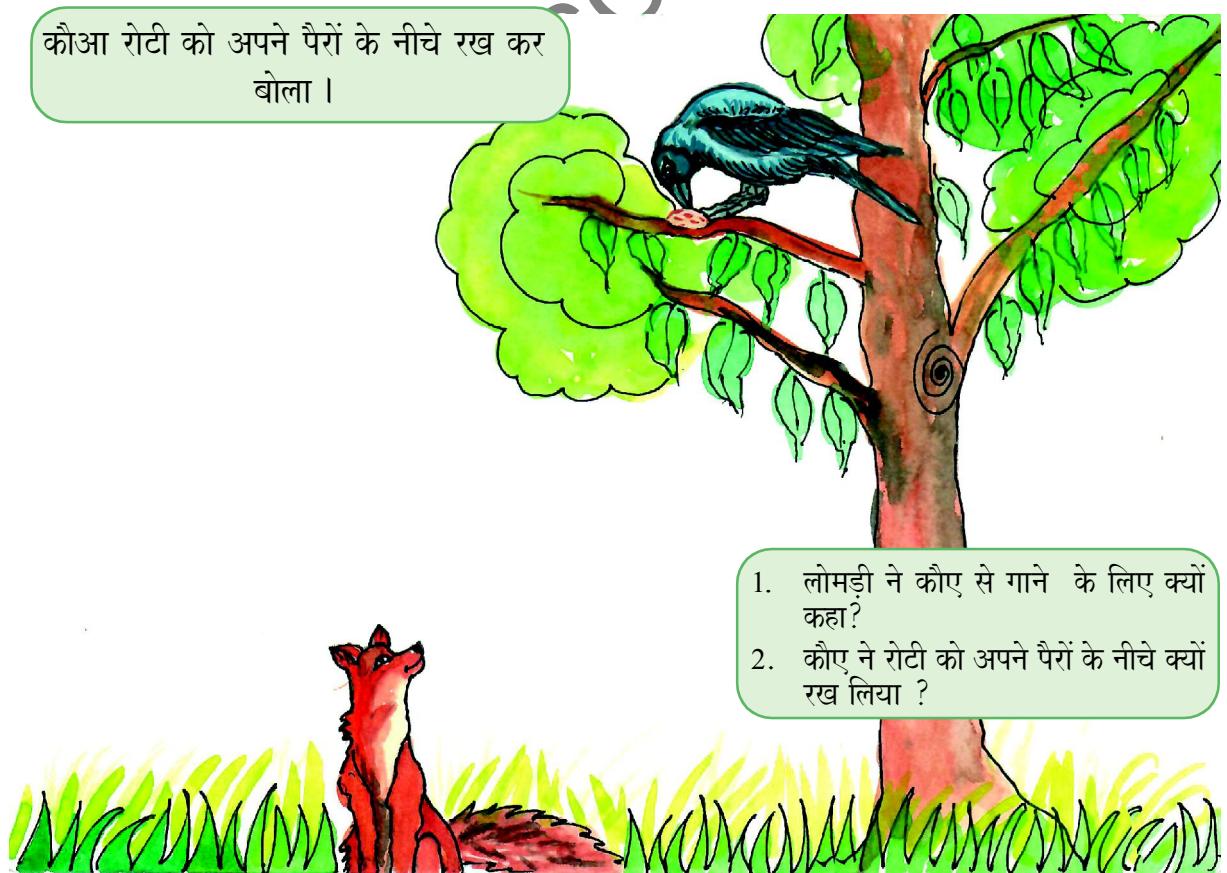
पेड़ पर बैठे कौए के मुँह में रोटी देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी भर आया।



कौआ, लोमड़ी और कौए की पुरानी कहानी को जानता है।



कौआ रोटी को अपने पैरों के नीचे रख कर बोला।



1. लोमड़ी ने कौए से गाने के लिए क्यों कहा?
2. कौए ने रोटी को अपने पैरों के नीचे क्यों रख लिया?

अच्छा तुम मेरा गाना सुनना
चाहते हो तो सुनो -

“सुनो गौर से जंगल वालो,
चाहे कितना भी दिमाग चला लो,
नहीं छीन सकोगे मुझ से रोटी ।
मैं ने भी सीखा है....
ये तुम भी जानो.....”



अरे ! यह कौआ तो
बहुत होशियार
लगता है ।

लोमड़ी ने गाना सुनकर कहा - “अच्छा
मित्र ! आपका गाना बहुत मधुर था ।
ऐसा गाना मैं ने अभी तक नहीं सुना ।
मैं आपका नाचना भी देखना चाहती
हूँ । तुम अच्छा नाच लेते हो ।”



कौआ रोटी के टुकड़े को अपनी चोंच
में पकड़कर नाचने लगा ।





पाठ का सारांश

एक भूखी लोमड़ी जंगल में भटक रही थी। उसकी दृष्टि पेड़ पर बैठे हुए एक कौए पर पड़ी। उसकी चोंच में एक रोटी का टुकड़ा था। लोमड़ी उसे पाना चाहती थी। लोमड़ी ने कौए की प्रशंसा करते हुए उससे गाने को कहा। कौआ रोटी को पैरों में दबाकर गाने लगा। कौए की चालाकी जानकर लोमड़ी ने उसे नाचने को कहा। चोंच में रोटी पकड़ कर कौआ नाचने लगा। अपने को होशियार समझकर लोमड़ी ने कौए से एक साथ नाचने और गाने को कहा। कौआ रोटी खाने के बाद नाचने और गाने लगा। कौआ लोमड़ी से भी चालाक था। लोमड़ी निराश होकर चली गयी।

शब्दार्थ :

जंगल	=	वन	शक्ति	=	ताकत
खोज	=	दूढ़ना	भैया	=	भाई
चुराना	=	चोरी करना	पैर	=	पाँव
मधुर	=	मीठा	होशियार	=	बुद्धिमान

श्रुतलेख :

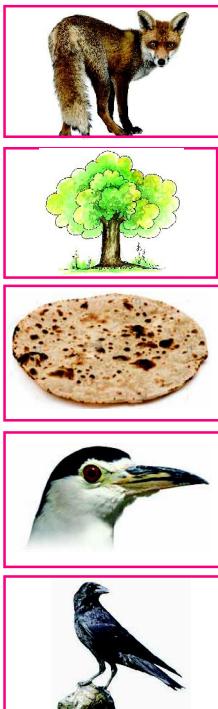
होशियार व्यवहार परिवर्तन बुद्धि नृत्य



सुनिए-बोलिए

- कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
- लोमड़ी क्या पाना चाहती थी ?
- कौए ने लोमड़ी से कैसा व्यवहार किया ?

अ) चित्र से संबंधित शब्द जोड़िए।



रोटी

चौंच

कौआ

पेड़

लोमड़ी

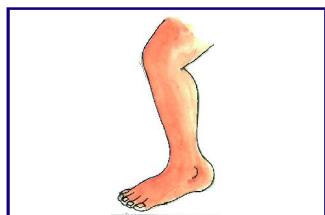
आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. कौआ रोटी को निगल गया। ()
2. लोमड़ी के मुँह में पानी भर आया। (1)
3. रोटी को अपने पैरों के नीचे रख लिया। ()
4. मैं कामयाब नहीं हो सका। ()
5. आपका गाना बहुत मधुर था। ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए।

- | | | | |
|-----------|---------|---------------|---------|
| 1. लमड़ी | लामोड़ी | लोमड़ी | लेमड़ी |
| 2. जंगल | जंगल | जांगल | जगल |
| 3. नृत्य | नृथ | नुत्य | नूत्य |
| 4. होशयार | होशियार | हेशयार | होशियार |
| 5. शक्ति | सक्ति | शक्ति | शकति |

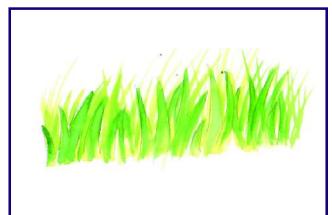
इ) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्द पर गोला “○” बनाइए।



1. हम पैरों से चलते हैं।



2. लड़का रोटी खाता है।



3. यहाँ घास है।



4. पेड़ पर कौआ है।



5. लड़की नाचती है।



लिखिए

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. खाने की खोज में कौन धूम रहा था?

2. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

‘होशीयार कौआ’ कहानी का सारांश लिखिए।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

1. लोमड़ी और कौआ में रहते थे। (शहर / जंगल)

2. भोजन की खोज में धूम रही थी। (लोमड़ी / कौआ)

3. रोटी के टुकड़े को कौए ने अपनी से पकड़ा। (चोंच / पंख)

4. मैं आपका सुनना चाहती हूँ। (खाना / गाना)

5. इस कहानी में होशीयार निकला। (कौआ / लोमड़ी)

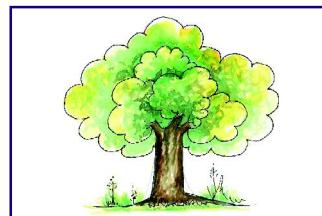
ई) चित्र देख कर पाठ से संबंधी शब्द लिखिए।



1. खाना

2.

3.



4.

5.



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के आधार पर चार शब्द बनाइए।

1. कौआ - आम - मन - नल - लय

2. जंगल - _____

3. गाना - _____

4. होशियार - _____

5. पाँच - _____

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

मीठा-रसीला, पाँव-चरण, वन-कानन, तलाश-दूँढना, बुद्धिमान-अकलमंद

1. पैर = पाँव - चरण

2. होशियार = _____, _____

3. जंगल = _____, _____

4. मधुर = _____, _____

5. खोज = _____, _____



सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर शब्द लिखिए।



1. बंदर
2.
3.
4.
5.

आ) परियोजना कार्य :

कुछ पक्षियों के चित्र संग्रहित करके उनके नाम लिखिए।

इ) अनुवाद कीजिए :

1. मैं पाठशाला जाता हूँ।
2. तुम्हारा नाम क्या है ?
3. मुझे हिंदी पसंद है।
4. आप पाठ पढ़िए।
5. मेरा भारत महान है।



व्याकरणांश

संयुक्ताक्षर

- | | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| 1. क् + त - क्त | 5. ग् + व - ख्व | 9. च् + छ - छ्छ |
| 2. क् + म - क्म | 6. ग् + न - ख्न | 10. च् + य - च्य |
| 3. क् + ल - क्ल | 7. ग् + य - ख्य | 11. ज् + य - ज्य |
| 4. ख् + य - ख्य | 8. ग् + ल - ख्ल | 12. ज् + व - ज्व |

- | | | |
|------------------|------------------|------------------|
| 13. ण् + ट - ण्ट | 18. न् + त - न्त | 23. ल् + य - ल्य |
| 14. ण् + व - ण्व | 19. न् + व - न्व | 24. ल् + प - ल्प |
| 15. त् + क - त्क | 20. प् + त - प्त | 25. ब् + द - ब्द |
| 16. त् + व - त्व | 21. ब् + ज - ब्ज | 26. स् + त - स्त |
| 17. त् + म - त्म | 22. भ् + य - भ्य | |



अ) सीखने के लिए और कुछ अभ्यास :

मृत संतुष्ट समुद्र
मग्न आश्रय रास्ता

- | | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| 1. मृ = म् + ऋ | 3. श्र = श् + र | 5. ग्न = ग् + न |
| 2. ट् = द् + ऋ | 4. ष्ट = ष् + ट | 6. स्त = स् + त |

आ) नीचे दिए गए शब्दों में से संयुक्ताक्षरवाले शब्द चुनकर लिखिए।

1. ध्यान	धान	धेनु	धीरे	जवाब : <u>ध्यान</u>
2. पुर	पूजा	पुस्तक	पुराना	_____
3. द्वीप	दीप	दीख	दीन	_____
4. चिकना	चिह्न	चीज	चीन	_____
5. ईटा	ईख	ईश	ईश्वर	_____

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

होशियारी से संबंधित एक और रचना को बच्चों को परिचय दीजिए।



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. स्त्रियाँ क्या कर रही हैं ?

ऊपर दिये गये चित्र को देखिए। स्त्रियाँ नाच रही हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में नृत्यों का भी बड़ा स्थान है। धिंसा एक लोक नृत्य है। यह आदिवासियों का नृत्य है। इस पाठ में आदिवासियों के बारे में भी बताया गया है। उनके त्योहारों के बारे में भी बताया गया है। आज हम उनके बारे में पढ़ेंगे।

3. आदिवासी नृत्य - धिंसा

एक दिन हम धिंसा नृत्य के बारे में जानने के लिए 'अरकु' गये थे। यह विशाखपट्टणम जिले का एक पहाड़ी गाँव है। यह एक सुंदर पर्यटक स्थल है। इसे 'ऑँध्रा ऊटी' भी कहते हैं। यह विशाखपट्टणम से करीब 114 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ से अरकु जाने के लिए रेल मार्ग भी है। रेल की यात्रा करते समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है। यहाँ की बोर्ग गुफाएँ बहुत ही प्रसिद्ध हैं। यह एक सुंदर मनमोहक स्थल है।



'अरकु' में आदिवासी लोग रहते हैं। वे 'कुवी' भाषा में बात करते हैं। उस भाषा की कोई लिपि नहीं है। वे कोया, तेलुगु, ओडिया में भी बात करते हैं। 'धिंसा' उनकी संस्कृति का प्रमुख नृत्य है। इस लोकनृत्य का प्रारंभ 'सोंपी' नामक गाँव में हुआ था। यह त्यौहारों और उत्सवों के दिनों में नाचा जाता है। नृत्य देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। कभी-कभी वे इनके साथ मिलजुल कर नाचते भी हैं।

'धिंसा' का अर्थ है - कूदना, जोर जोर से कदम हिलाना। जहाँ नृत्य किया जाता है, उस स्थान को 'चावड़ी' कहते हैं। वे 'तुडुमु' नामक वाद्य यंत्र का उपयोग करते हैं। इस नृत्य में एक मुख्य नर्तक रहता है। इसे 'नाटकारी' कहते हैं। वह एक हाथ में मोर के पंख और दूसरे हाथ में बांसुरी लेकर नाचता है। यह नृत्य गोलाकार में मानव-हार की तरह बनकर नाचते हैं। दल के सभी लोग नाटकारी के अनुसार नाचते हैं।

वे 'कोर्कोट्टा, इटुकला पंडुगा, मोदकोंडम्मा जातरा, नंदी, विटिंग' त्यौहार मनाते हैं। 'मोदकोंडम्मा' उनकी देवी है। उत्तर-ऑंध्र, ओडिशा के लोग मोदकोंडम्मा की पूजा करते हैं। यहाँ होने वाली जातरा बहुत प्रसिद्ध है। ऑंध्र सरकार यहाँ पर तरह-तरह के उत्सवों का आयोजन करती है। यह सुंदर और मनमोहक स्थान है।

पाठ का सारांश

इस पाठ में आदिवासियों के लोक नृत्य धिंसा के बारे में बताया गया है। अरकु एक पहाड़ी गाँव है। प्रकृति के सुंदर दृश्य मन को मोह लेते हैं। 'धिंसा' की शुरूआत सोंपी नामक गाँव में हुआ। यह त्यौहारों और उत्सवों के समय नाचा जाता है। धिंसा का अर्थ है - कूदना और जोर-जोर से कदम हिलाना। सब मिलकर चावड़ी में नाचते हैं। वे 'तुडुमु' नामक वाद्य यंत्र का उपयोग करते हैं। वे अनेक प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। मोदकोंडम्मा उनकी देवी है। यहाँ होने वाली जातरा बहुत प्रसिद्ध है। ऑंध्रप्रदेश राज्य सरकार ने इस स्थान को पर्यटक स्थल बना दिया है। ऑंध्रप्रदेश सरकार यहाँ पर अनेक उत्सवों का आयोजन करती है।

शब्दार्थ :

नृत्य	=	नाच	करीब	=	निकट	प्रसिद्ध	=	मशहूर
स्थान	=	प्रदेश	दल	=	समूह			

श्रुतलेख :

नृत्य विशाखपट्टणम् कोरकोट्टा मोदकोंडम्मा बोर्ग गुफाएँ



1. आदिवासियों का प्रमुख नृत्य क्या है ?
2. अरकु की सुंदरता के बारे में बोलिए ।
3. औंध्र प्रदेश के कुछ लोकनृत्यों के बारे में बताइए ।



अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|----------------|--------------------------|
| 1. तुड्हमु | पर्यटक स्थल है । |
| 2. विटिंग | हाथ में लेकर नाचते हैं । |
| 3. बांसुरी | आदिवासियों की देवी है । |
| 4. अरकु | आदिवासी त्यौहार है । |
| 5. मोदकोंडम्मा | वाद्ययंत्र है । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

1. वे 'कुवी' भाषा में बात करते हैं । []
2. यहाँ होने वाली जातरा बहुत प्रसिद्ध है । []
3. इस नृत्य में एक मुख्य नर्तक रहता है । []
4. अरकु विशाखपट्टणम् जिले का पहाड़ी गाँव है । [1]
5. यह एक सुंदर मनमोहक स्थल है । []

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला “○” बनाइए।

- | | | | |
|---------------|------------|------------|-----------|
| 1. नृत्य | नर्तय | नुतय | नुर्तय |
| 2. मूख्य | मुक्य | मूव्य | मुख्य |
| 3. कोराकोट्टा | कोर्कोट्टा | कोराकोत्ता | कौराकत्ता |
| 4. सुंदर | सुदर | सूंदर | सुंधर |
| 5. तेलुगु | तेलूगु | तेलूगू | तेलुगू |

ई) चित्र से संबंधित शब्द जोड़िए।

1. मोर जंगल में रहता है।



2. रेल की यात्रा सुरक्षित है।



3. कूचिपूडी आनंद का नृत्य है।



4. बाँस से टोकरी बनाते हैं।



5. बाँसुरी का नाद सुरीला है।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. धिंसा नृत्य किस प्रदेश का है ?
2. धिंसा का अर्थ क्या है ? यह कहाँ नाचा जाता है ?
3. आदिवासी कौन-कौन से त्यौहार मनाते हैं ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच - छह वाक्यों में लिखिए।

1. आदिवासियों के नृत्य “धिंसा” के बारे में आप क्या जानते हैं ?

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

- | | |
|--|--------------------------|
| 1. आदिवासी <u>कुवी</u> भाषा में बोलते हैं। | (कुवी / पंजाबी) |
| 2. नृत्य देखने जाते हैं। | (परिवार / पर्यटक) |
| 3. धिंसा का जन्म नामक गाँव में हुआ। | (सोंपी / अरकु) |
| 4. मुख्य नर्तक को कहते हैं। | (नाटक / नाटकारी) |
| 5. आदिवासियों की देवी है। | (मोदकोङम्मा / माचम्मा) |

ई) चित्र देखकर शब्द लिखिए।

(शहद कॉफी धिंसा रीठ इमली)



1. शहद



2.



3.



4.



5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. नृत्य : न् + ऋ + त् + य् + अ
2. धिंसा :
3. सुंदर :
4. पर्यटक :
5. नर्तक :



भाषांश

अ) पाठ के आधार पर वर्ग पहेली से शब्दों को ढूँढ़ कर लिखिए।

अ	र	कु
तु	नं	दी
डु	द	ल
मु	ख्	य
बां	सु	री

1. अरकु
2.
3.
4.
5.

आ) विलोम शब्द लिखिए।

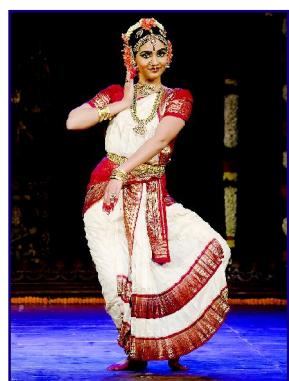
1. गाँव × शहर
2. दूर ×
3. प्रसिद्ध ×
4. एक ×
5. बहुत ×



सृजनात्मकता

अ) कूचिपूडी नृत्य का चित्र देखकर दो शब्द लिखिए।

.....
.....
.....
.....
.....



आ) कुछ प्रमुख भारतीय नृत्यों के चित्र दृढ़िए और कक्षा में दिखाइए ।

इ) अनुवाद कीजिए ।

1. संक्रांति एक प्रमुख व्याहार है ।
2. अरकु एक सुंदर पर्यटक स्थल है ।
3. भारत की राजधानी दिल्ली है ।
4. वीणा एक वाद्य यंत्र है ।
5. मोर सुंदर पक्षी है ।



व्याकरणांश

अ) द्विवाक्षरः दो समरूपी व्यंजनों के मेल को द्विवाक्षर कहते हैं ।

उदा : विशाखपट्टणम्, मोदकोङ्गमा, गुस्सा, बच्चा, हिम्मत ।

क् + क = क्क (चक्की)

ग् + ग = ग्ग (सुग्गा)

च् + च = च्च (सच्चा)

ज् + ज = ज्ज (लज्जा)

ट् + ट = ट्ट (हट्टा)

ड् + ड = ड्ड (अड्डा)

ण् + ण = ण्ण (कण्णन)

त् + त = त्त (भत्ता)

द् + द = द्द (कद्दू)

न् + न = न्न (गन्ना)

ब् + ब = ब्ब (गुब्बारा)

म् + म = म्म (अम्मा)

य् + य = य्य (शय्या)

ल् + ल = ल्ल (बल्ला)

व् + व = व्व (कव्वाली)

स् + स = स्स (रस्सी)

आ) निम्न लिखित गद्यांश में द्विवाक्षर शब्द पहचान कर रेखांकित कीजिए ।

संगीत, भरतनाट्यम् और कर्गाट्टम का जन्म स्थान तमिलनाडु माना जाता है । यहाँ के पहाड़ी प्रदेशों में कोडैक्कानाल, कोल्लिमालौ, नीलगिरी प्रमुख हैं । तमिल भाषा बहुत प्राचीन है । तमिल भाषा का शिल्पाधिकारम् एक महाकाव्य है । तमिल भाषा के तिरुक्कुरल को विश्व वेद माना गया है । इसके लेखक तिरुवल्लुवर है । तमिल भाषा सुसंपन्न और समृद्ध भाषा है ।

इ) नीचे दिए गए शब्दों में द्वितीयकार शब्दों को रेखांकित कीजिए।

- | | | | |
|-----------|---------|--------|--------|
| 1. बद्धा | सत्य | क्या | ग्यारह |
| 2. वत्स | रम्या | गुस्सा | न्याय |
| 3. बल्ला | हत्या | त्याग | उत्साह |
| 4. मक्खी | कद्मा | मान्य | वंदना |
| 5. कल्याण | मल्हारी | जुल्म | पल्लव |



क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ।		
3. धिंसा नृत्य के बारे में अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
4. द्वितीयकार शब्दों को पहचान सकता हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

बद्धों को अपने आसपास के अन्य और लोकनृत्य का परिचय दीजिए।

गिनती

एक	-	1	ग्यारह	-	11	इक्कीस	-	21
दो	-	2	बारह	-	12	बाईस	-	22
तीन	-	3	तेरह	-	13	तेर्डीस	-	23
चार	-	4	चौदह	-	14	चौबीस	-	24
पाँच	-	5	पंद्रह	-	15	पच्चीस	-	25
छः	-	6	सोलह	-	16	छब्बीस	-	26
सात	-	7	सत्रह	-	17	सत्ताईस	-	27
आठ	-	8	अठारह	-	18	अट्टाईस	-	28
नौ	-	9	उन्नीस	-	19	उनतीस	-	29
दस	-	10	बीस	-	20	तीस	-	30



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. सैनिक क्या कर रहे हैं ?

इस चित्र में हम देख सकते हैं कि - जवान अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। देशभक्ति से संबंधित ऐसी ही एक और कविता आज हम पढ़ेंगे।



4. हम नहें बच्चे

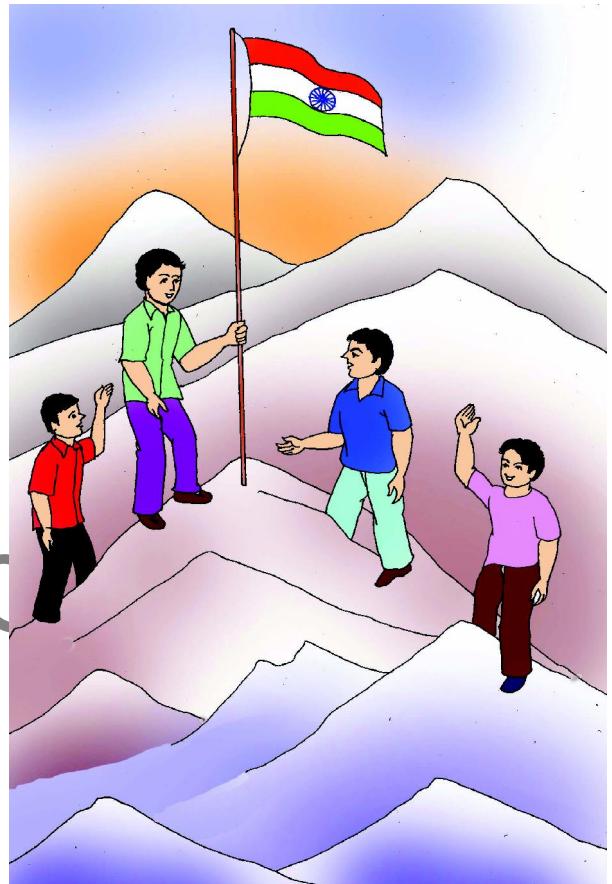
— सोहनलाल द्विवेदी

जीवनकाल : 1906 - 1988

हम नहें-नहें बच्चे हैं,
नादान, उमर के कद्दे हैं,
पर अपनी धुन के सच्चे हैं ।
जननी की जय-जय गाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे ।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे,
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे ।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
जननी की जय-जय बोलेंगे ।
अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे ।



- बच्चों में कौन-कौन से गुण होते हैं ?
- शहीद किसे कहते हैं ?

पाठ का सारांश

कवि कहते हैं कि - हम छोटे बच्चे हैं । हम नादान हैं । हम कम उम्र के हैं । हम सच बोलते हैं । हम भारतमाता की जय गाते हैं । हम भारत का झंडा फहराते हैं । हम अच्छे रस्ते पर चलते हैं । हम अपना वादा नहीं तोड़ते हैं । हम धैर्य से रहते हैं । हम कभी नहीं डरते हैं । जरूरत पड़ने पर हम अपनी ताकत दिखाते हैं ।

शब्दार्थ :

उम्र	=	आयु	धुन	=	लगन
ताकत	=	शक्ति	नाता	=	संबंध
पथ	=	मार्ग	शान	=	प्रतिष्ठा
प्रण	=	वादा	हिम्मत	=	धैर्य
ध्वजा	=	झंडा	नन्हे	=	छोटे

श्रुतलेख :

नन्हे बच्चे ध्वजा हिम्मत प्रण



सुनिए-बोलिए

1. बच्चे कैसे होते हैं ?
2. बच्चे क्या तोड़ना नहीं चाहते हैं ?
3. बच्चे क्या फहराना चाहते हैं ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

1. बच्चे जननी भेंट चढ़ाएँगे ।
2. बच्चे हिम्मत ध्वजा फहराएँगे ।
3. अपना सिर पर चढ़ जाएँगे ।
4. भारत की की जय गाएँगे ।
5. हम हिमगिरि से नाता जोड़ेंगे ।

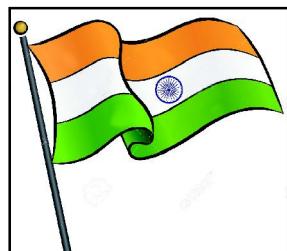
आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. हम भय से कभी न डोलेंगे। []
2. जननी की जय-जय गाएँगे। []
3. अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे। []
4. नादान, उमर के कद्दे हैं। [1]
5. अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे। []

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए।

1. कच्चे	कच्चे	कच्चो	कच्चू
2. हम्मत	हिम्मत	होम्मत	हेम्मत
3. भेट	भेटा	भेंट	भेंटी
4. धवजा	धवजा	ध्वजे	ध्वजा
5. धुन	धून	धोन	धीन

ई) चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला '○' बनाइए।



1. हम सब नहें **(बच्चे)** हैं। 2. बच्चे हिमगिरि पर चढ़ेंगे। 3. यह भारत का झंड़ा है।



4. अपना पथ कभी न छोड़ेंगे। 5. बच्चे भारत माता का जय गान करेंगे।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे - छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. बच्चे अपनी धुन के कैसे हैं ?
2. बच्चे किससे नाता जोड़ना चाहते हैं ?
3. भारत की शान कब बढ़ेगी ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

“हम नन्हे बच्चे” - कविता का सारांश लिखिए।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए :

1. बच्चे नादान उम्र के कच्चे होते हैं। (कच्चे / सच्चे)
2. वे अपना कभी न तोड़ेंगे। (प्रण / वन)
3. सब मिल कर भारत की उड़ाएँगे। (ध्वजा / धुन)
4. बच्चे से नाता जोड़ेंगे। (हिम्मत / हिमगिरी)
5. बालक अपनी को तोलेंगे। (ताकत / उमर)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द बनाइए।



उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. बच्चे : ब् + अ + च् + च् + ए
2. नन्हे :
3. धुन :
4. ध्वजा :
5. ताकत :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के आधार पर चार शब्द बनाइए।

1. उमर	रजत	तन	नयन	नर
2. पथ	_____	_____	_____	_____
3. शान	_____	_____	_____	_____
4. भारत	_____	_____	_____	_____
5. जय	_____	_____	_____	_____

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. रास्ता : राह, पथ
2. ताकत :
3. जननी :
4. प्रण :
5. ध्वजा :



अ) चित्र को देखकर दो शब्द लिखिए।



.....
.....

आ) परियोजना कार्य :

देशभक्ति से संबंधित दो नारे लिख कर कक्षा में दिखाइए।

इ) अनुवाद कीजिए :

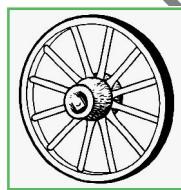
1. झंडा राष्ट्र की शान है।
2. मैं भारत का नागरिक हूँ।
3. हिमालय ऊँचा पर्वत है।
4. बच्चे खेलना पसंद करते हैं।
5. हम सब गीत गाते हैं।



व्याकरणांश



सूर्य



चक्र



ट्रक

- स्वर्ग }
 1. मार्ग } र + ग = ग
 वर्ग }

AP

जब “र” व्यंजन स्वर रहित होता है, तो यह अपने से आगेवाले वर्ण के सिर पर लगता है।

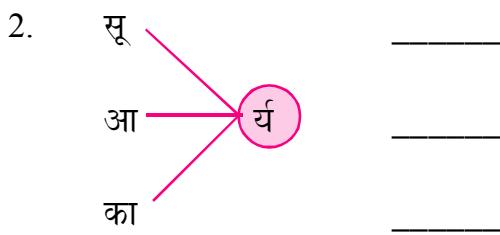
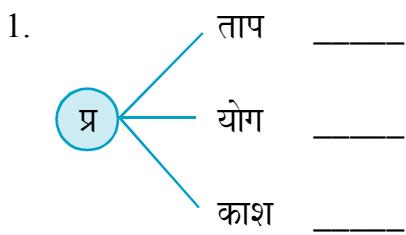
- चक्र }
 2. वक्र } क + र = क्र
 जिक्र }

“र” से पहले कोई भी स्वर रहित व्यंजन होने पर वह उसके पैरों में लगता है।

- ट्रक }
 3. ट्रंप } ट्र + र = ट्र
 ट्राली }

‘ट’ ‘ड’ व्यंजन के साथ “र” का संयोग होने पर इनके नीचे वह अपना रूप बिलकुल परिवर्तित कर लेता है।

अ) नीचे दिये गये संकेतों के आधार पर शब्द लिखिए।



आ) नीचे दिए गए वाक्यों में से ‘रेफ’ शब्दों के नीचे रेखांकित कीजिए।

1. हमारे झांडे के बीच में अशोक चक्र है।
2. सुरेश ड्रामा देखने गया।
3. सूर्य की किरणें तेज होती हैं।
4. चंद्र को चाँद भी कहते हैं।
5. कर्ण को दान कर्ण कहते हैं।

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. मैं कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. मैं “हम नहें बच्चे हैं” पाठ को अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
4. मैं “रेफ” वाले शब्दों को पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों केलिए सूचना :

सोहनलाल द्विवेदी जी के द्वारा लिखित देशभक्ति से संबंधित कविता को गाकर सुनाइए।



ईमानदारी का फल



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है ?
2. लड़का क्या कर रहा है ?

दया, परोपकार, विनय, सेवा, ईमानदारी नैतिक गुण कहलाते हैं। उनके आचरण से मानव का जीवन सही मार्ग पर चलता है। इसका फल महान होता है। उपर्युक्त चित्र से ऐसे गुणों को हम सीख सकते हैं। आज हम इस से संबंधित कहानी पढ़ेंगे।

5. ईमानदारी का फल

एक लकड़हारा था। वह जंगल में नदी के किनारे लकड़ियाँ काटता था। वह उन लकड़ियों को बैच कर अपना जीवन बिताता था। एक दिन वह नदी के किनारे लकड़ियाँ काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। इसे देख कर वह रोने लगा।

लकड़हारे को देखकर नदी की देवी जल से बाहर आयी। देवी ने लकड़हारे से रोने का कारण पूछा। लकड़हारे ने कहा कि - “देवी माँ, मेरी कुल्हाड़ी नदी में गिर गयी। यही मेरे जीवन का आधार है।” देवी को उस पर दया आयी। देवी ने उसको सोने की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा कि “यह मेरी नहीं है।”

देवी फिर जल के अंदर गई। जल से बाहर आकर देवी ने चाँदी की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा - “यह भी मेरी नहीं है।” तीसरी बार देवी ने लोहे की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा कि “हाँ यही मेरी कुल्हाड़ी है।”

देवी ने कहा कि “मैं तुम्हारी ईमानदारी से बहुत खुश हूँ। इसलिए ये तीनों कुल्हाड़ियाँ ले लो।” लकड़हारे ने देवी को प्रणाम किया। खुशी से तीनों कुल्हाड़ियाँ लेकर चला गया। इस कहानी से यह सीख मिलती है कि - “ईमानदारी का फल मीठा होता है।”

- जंगल में क्या-क्या मिलते हैं?
- परियों के बारे में तुम क्या जानते हो?



पाठ का सारांश

एक लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। नदी की देवी ने उसे सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ दिखाई। लेकिन उसने ईमानदारी से अपनी कुल्हाड़ी ही माँगी। इससे उसे तीनों कुल्हाड़ियाँ ईनाम के रूप में मिलीं। इस से यह शिक्षा मिलती है कि ईमानदारी का फल मीठा होता है।

शब्दार्थ :

जंगल	=	वन	नदी	=	सरिता
मीठा	=	मधुर	लकड़हारा	=	लकड़ियाँ काटनेवाला
ईमानदारी	=	सद्याई	सीख	=	नीति
चाँदी	=	रजत	सोना	=	कनक, कंचन

श्रुतलेख :

कुल्हाड़ी ईमानदारी जंगल लकड़हारा चाँदी लकड़ियाँ प्रणाम जीवन



सुनिए-बोलिए

1. नदी से क्या - क्या लाभ हैं ?
2. कुछ पेड़ों के नाम बताइए ।
3. ईमानदारी का फल कैसा होता है ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

1. कुल्हाड़ी
2. देवी
3. लकड़हारा
4. पहाड़
5. पेड़

अ)



आ)



इ)



ई)



उ)



आ) पाठ में नीचे दिये गये वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर उनकी क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. उसने सोने की कुल्हाड़ी दिखाई । ()
2. एक लकड़हारा था । (1)
3. हाँ, यही मेरी कुल्हाड़ी है । ()
4. लकड़हारा रोने लगा । ()
5. यह मेरी नहीं है । ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए।

- | | | | |
|--------------|-----------|-----------|-----------|
| 1. ईमनदरी | ईमेनदारी | ईमुनदारी | ईमानदारी |
| 2. दसरी | दूसरी | दोसरी | देसरी |
| 3. लकेड़हरा | लकड़हारा | लकुड़हारा | लकिड़हारा |
| 4. कुल्हाड़ी | कुल्हेड़ी | कुल्हाड़े | कुल्हाड़ु |
| 5. पणाम | प्रणाम | पेणाम | प्रेणाम |

ई) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर '○' गोला बनाइए।

1. यह सोने की अंगूठी है ।



2. ये चाँदी के नूपुर हैं ।



3. यह लोहे की कुल्हाड़ी है ।



4. यह पीतल की कटोरी है ।



5. यह तांबे का गिलास है ।





लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. लकड़हारा क्या करता था ?
2. नदी की देवी क्यों खुश हुई ?

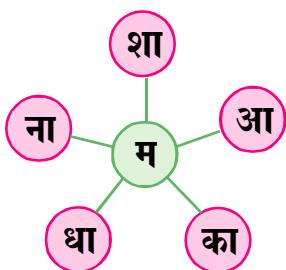
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

“ईमानदारी का फल” कहानी का सारांश लिखिए।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए।

1. वह में लकड़ियाँ काटता था। (जंगल / मैदान)
2. नदी में जा गिरी। (कुल्हाड़ी / लकड़ी)
3. नदी की देवी आयी। (अंदर / बाहर)
4. देवी ने उसको कुल्हाड़ियाँ दे दीं। (एक / तीनों)
5. ईमानदारी का फल होता है। (मीठा / कड़ुआ)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द लिखिए।



शाम

.....
.....
.....
.....

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. जंगल : ज् + अं + ग् + अ + ल् + अ
2. कुल्हाड़ी :
3. आधार :
4. प्रणाम :
5. कहानी :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द बनाइए।

उदा : लकड़हारा - राम - मगर - रमेश - शरत

1. जंगल : , , ,
2. नदी : , , ,
3. देवी : , , ,
4. सोना : , , ,
5. एक : , , ,

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. जल : पानी, नीर
2. जंगल :
3. लकड़ी :
4. मीठा :
5. खुश :



अ) विलोम शब्द लिखिए।

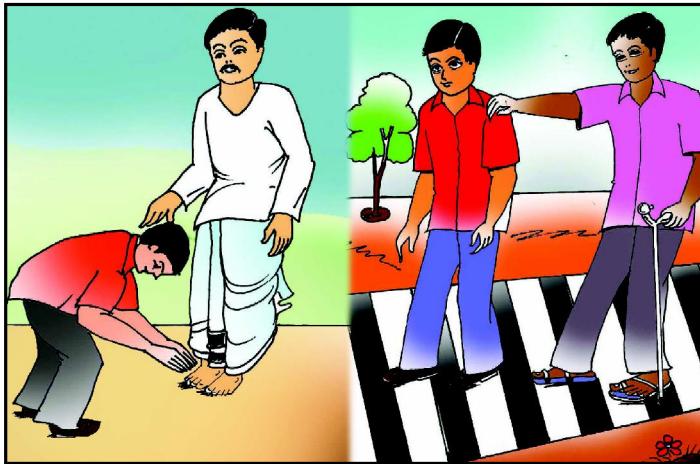
1. बाहर X अंदर
2. आना X
3. गिरना X
4. ईमान X
5. अपना X





सुजनात्मकता

(अ) चित्र को देखकर छोटे-छोटे शब्द लिखिए।



1. लड़का
2.
3.
4.
5.

(आ) परियोजना कार्य।

कुछ नीति वाक्यों का संकलन कीजिए।

(इ) अनुवाद कीजिए।

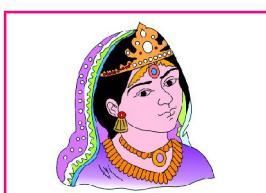
1. लकड़हारा लकड़ियाँ काटता है।
2. जंगल में अनेक जीव-जंतु रहते हैं।
3. नदी में मछलियाँ रहती हैं।
4. सोना बहुत महँगा है।
5. बड़ों को प्रणाम करना चाहिए।



व्याकरणांश



तोता



रानी



बिल्ली



दूध



लकड़ी



बूढ़ा



मोर

(अ) परिभाषा:

किसी व्यक्ति, स्थान, गुण, भाव या वस्तु के नाम को “संज्ञा” कहते हैं।

उदाहरण:- मोहन, लड़का, दिल्ली, पानी, मेज, धर्म आदि।

(आ) निम्न लिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को पहचानकर लिखिए।

1. सब धर्म अच्छे होते हैं। धर्म
2. मैदान में घोड़ा है।
3. दीपा गाती है।
4. वे विजयवाड़ा में रहते हैं।
5. “हिंदी” सरल भाषा है।



(इ) नीचे दिये गये वाक्यों में संज्ञा शब्दों की रेखांकित कीजिए।

1. वह जंगल में लकड़ियाँ काटता था।
2. नदी की देवी जल से बाहर आयी।
3. यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।
4. एक लकड़हारा वन में गया।
5. देवी को उस पर दया आयी।

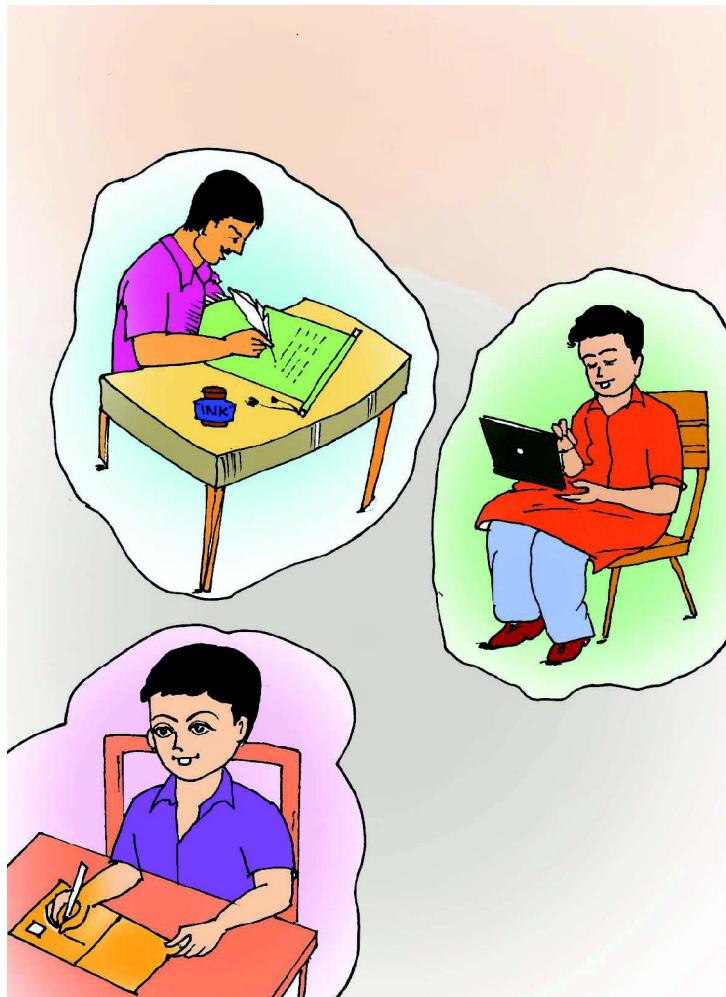
क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. पाठ से संबंधित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

ईमानदारी से संबंधित कुछ घटनाओं का वर्णन कीजिए।



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. पत्र क्यों लिखा जाता है ?

अपनी भावनाओं को दूसरों तक पहुँचाने के लिए पत्र लिखते हैं। पत्रों से सूचनाएँ मिलती हैं।

6. पत्र-लेखन

छुट्टी पत्र

रामापुरम्,

दिनांक: 20.10.2021.

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
रामापुरम् ।

महोदय,

सादर प्रणाम । मैं सातवीं कक्षा का छात्र हूँ । मुझे दो दिन से बुखार है । मैं अस्पताल जाना चाहता हूँ । इस कारण से मैं पाठशाला आ नहीं सकता हूँ । इसलिए मुझे दिनांक 20.10.2021 से 22.10.2021 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद ।

1. हम पत्र क्यों लिखते हैं ?

आपका आज्ञाकारी छात्र,
सुरेश,
क्रमांक-19,
सातवीं कक्षा ।

शब्दार्थ :

बुखार	=	ज्वर	छुट्टी	=	अवकाश
महोदय	=	महाशय	कृपा	=	दया
आज्ञाकारी	=	विनम्र	कक्षा	=	वर्ग

श्रुतलेख :

प्रधानाध्यापक आज्ञाकारी क्रमांक पाठशाला बुखार



- इस पत्र में कौन अस्वस्थ है ?
- सुरेश ने कितने दिनों की छुट्टी माँगी ?
- सुरेश किस कक्षा का छात्र है ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | | |
|----|--|---------|
| 1. | | अस्पताल |
| 2. | | छात्र |
| 3. | | पाठशाला |
| 4. | | कलम |
| 5. | | छात्रा |

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्टक में लिखिए।

- | | | |
|----|--------------------------------|------------|
| 1. | छुट्टी देने की कृपा करें। | () |
| 2. | मुझे दो दिनों से बुखार है। | () |
| 3. | मैं सातवीं कक्षा का छात्र हूँ। | (1) |
| 4. | मैं अस्पताल जाना चाहता हूँ। | () |
| 5. | मैं पाठशाला नहीं आ सकता। | () |

इ) सही वर्तनी वाले शब्द पर गोला '○' बनाइए।

- | | | | | |
|----|---------------|--------------|-----------|---------------|
| 1. | महोदय | महोदय | महोदय | माहोदय |
| 2. | प्राधानाध्यपक | पधानाध्यापक | पधनाध्यपक | प्रधानाध्यापक |
| 3. | आस्पताल | आसापताल | अस्पताल | आसापाताल |
| 4. | धन्यवाद | धन्यवाद | धान्यवाद | धन्यवादा |
| 5. | पाठशाला | पाठाशाला | पठशाला | पाठशाल |

इ) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर '○' गोला बनाइए ।



लड़का **पत्र** लिखता है ।



यह डाक घर है ।



अध्यापिका पाठ पढ़ाती हैं ।



बालक चिट्ठी डाक डिब्बे में डालता है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. सुरेश ने किसको पत्र लिखा ?
2. पत्र का विषय क्या है ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए ।

आप अपनी बहन की शादी में जाना चाहते हैं। इसलिए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पर पत्र लिखिए ।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

- | | |
|---|-------------------|
| 1. सुरेश <u>सातवीं</u> कक्षा में पढ़ता है । | (तीसरी / सातवीं) |
| 2. मुझे दो दिन से है । | (बुखार / हैजा) |
| 3. मैं जाना चाहता हूँ । | (मंदिर / अस्पताल) |
| 4. मैं नहीं आ सकता । | (घर / पाठशाला) |
| 5. मुझे दिन की छुट्टी दीजिए । | (सात / तीन) |

ई) चित्र देख कर पाठ संबंधी वाक्य लिखिए।



डाकिया पत्र लाता है।



उ) पत्र के ग्रासप के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों को उनके सही स्थान पर लिखिए।

- | | | | |
|------------------|------------|---------|----------|
| ● आपका आज्ञाकारी | ● सेवा में | ● पता | ● स्थान |
| ● विषय | ● धन्यवाद | ● महोदय | ● दिनांक |

<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<input type="text"/>		
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<input type="text"/>		

ऊ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. छुट्टी : छ् + उ + ट् + ट + ई
2. पत्र :
3. महोदय :
4. प्रधानाध्यापक :
5. कृपा :



भाषांश

अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द बनाइए।

1. प्रधानाध्यापक	<u>कलम</u>	<u>मन</u>	<u>नमस्कार</u>	<u>रस</u>
2. महोदय
3. सरकार
4. अस्पताल
5. पाठशाला

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(करुणा, दया, आज्ञापालक, दर्जा, वर्ग, तिथि, तारीख, अवकाश, विश्राम, विनम्र)

1. आज्ञाकारी - विनम्र, आज्ञापालक
2. कक्षा -
3. दिनांक -
4. कृपा -
5. छुट्टी -

इ) विलोम शब्द लिखिए।

1. सरकारी × गैर सरकारी
2. रात × _____
3. आना × _____
4. आज्ञा × _____
5. लेना × _____





सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए।



.....
.....



.....
.....



.....
.....



.....
.....



.....
.....

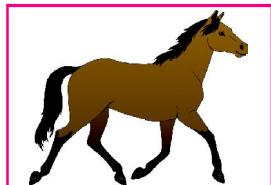
आ) परियोजना कार्य

पत्र के विभिन्न रूपों को कक्षा में दिखाइए।

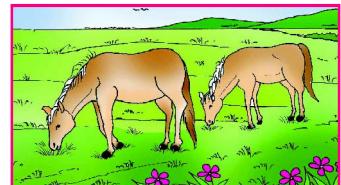
इ) अनुवाद कीजिए।

1. छात्र खत लिखता है।
2. हमारी पाठशाला में दीवार-पत्रिका है।
3. हम सब गीत गाते हैं।
4. हमारे घर के पास डाकघर है।
5. डाकिया चिट्ठी लाता है।

घोड़ा



घोड़े



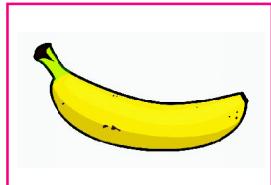
किताब



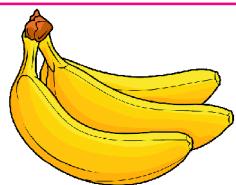
किताबें



केला



केले



लता



लताएँ



कलम



कलमें



शब्द के जिस रूप से एक या अनेक का बोध होता हो, उसे “वचन” कहते हैं।

जिस शब्द से एक का बोध होता है उसे “एक वचन” कहते हैं।

जिस शब्द से दो या दो से अधिक का बोध होता है उसे “बहु वचन” कहते हैं।

अ) निम्न लिखित गद्यांश में बहु वचन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

हम सातवीं कक्षा के छात्र हैं। हमारी पाठशाला में छात्राएँ और छात्र पढ़ते हैं। हमारी पाठशाला में दस कक्षाएँ हैं। लड़कियाँ और लड़के मैदान में खेलते हैं। ग्रन्थालय में कई प्रकार की पुस्तकें हैं।

आ) नीचे दी गयी तालिका के आधार पर चार - पाँच वाक्य लिखिए।

मैं			
हम			
तुम		खेलता	हूँ।
आप	फुटबॉल	खेलते	है।
यह		खेलती	हैं।
वह			हो।
ये			
वे			

उदाः- अ) मैं फुटबॉल खेलता हूँ। (एकवचन)

आ) हम फुटबॉल खेलते हैं। (बहुवचन)

1. अ)

2. अ)

आ)

आ)

3. अ)

4. अ)

आ)

आ)

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पत्र रचना के बारे में अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ।		
3. छुट्टी पत्र लिख सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

पत्र के विविध प्रकारों के बारे में जानकारी दीजिए।



X2I5F3

Academic standards / Learning Outcomes

शैक्षिक मापदंड / सीखने की संप्राप्ति

1. सुनना-बोलना:-

- * सुनकर जानी हुई बातें प्रकट करना ।
- * सुने हुए अंशों के बारे में कौन? क्या? कहाँ? जैसे प्रश्नों के उत्तर देना?
- * सूचनाएँ सुनकर अर्थ-ग्रहण करके उसी के अनुसार कर सकना ।
- * सुनते समय शब्दों के उच्चारण भेदों को पहचानना ।
- * जाने हुए और देखे हुए विषयों के बारे में स्वतंत्रता से बोल सकना ।
- * चित्रों के आधार पर बोल सकना कौन है? क्या हो रहा है? क्या कर रहे हैं? जैसे विषयों के बारे में बोल सकना ।
- * द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को स्पष्ट रूप से उच्चारण कर सकना ।

2. पढ़ना:-

- * गीत और कविताओं में वाक्यों को पहचान सकना ।
- * दिये गये विषयों में द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को पहचान सकना ।
- * वाक्यों को पढ़ते समय शब्दों का उच्चारण स्पष्ट रूप से हो सकना ।
- * चित्रों से सही शब्द जोड़ सकना ।
- * पाठ पढ़कर अर्थ ग्रहण कर सकना ।

3. लिखना:-

- * छोटे-छोटे वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिख सकना ।
- * संकेतों के आधार पर शब्द बना सकना ।
- * वर्ण विच्छेद कर सकना ।
- * अपने शब्दों में पाठ का सारांश लिख सकना ।

4. सृजनात्मकता / भाषांश:

- * गीत और कविताओं को लय के अनुसार गाना ।
- * चित्र देखकर शब्द लिखना ।
- * छोटे-छोटे वाक्यों को अपनी भाषा में अनुवाद करना ।
- * शब्द कोश का उपयोग करते हुए शब्दार्थ और पर्यायवाची शब्दों को अध्ययन करना ।
- * अंत्याक्षरी विधि से नये शब्द बनाना ।

5. व्याकरणांश

- * व्याकरणाशों का ज्ञान प्राप्त करना । (संयुक्ताक्षर, द्वित्वाक्षर, रेफ, संज्ञा, वचन, लिंग, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण)
- * व्याकरण के नियमों को स्पष्ट रूप से पहचानना, संदर्भानुसार व्याकरण दोषों के बिना लिख सकना ।

शब्दकोश

अच्छा	= मूळी, good	धुन	= लीनमगुठ, zeal, tune up
अनुकरण	= अमुकरिंवद०, imitation	ध्वजा	= जैंदा, flag
अस्पताल	= अमुपत्रि, hospital	धन्यवाद	= धन्यवादमुल, thanks
आनंद	= संतोषमु, happy	निंदा	= अपवादमु, blame
आपस में	= इकरिकरु, each other	नित्य	= प्रतिर्जौ, regularly
आयोजन	= निर्याहा, organize	निगलना	= मिंगद०, swallow
आज्ञाकारी	= विधेयमुदू, obedient	पंख	= शे॒क, feather.
ईर्ष्या	= अमुय, jealous	नाता	= संबंधमु, relationship
ईमानदारी	= निजाय्यै, honesty.	पहाड़	= पर्वतमु, mountain
उत्सव	= उत्सवमु, celebration	पर्यटक	= यात्रिमुदू, tourist
उम्र	= वयमु, age	पथ	= मारूमु, दारि, path, road
कौआ	= चाकै, crow	प्रण	= प्रतिज्ञ, pledge
करीब	= दग्ध, close	प्रधानाध्यापक	= प्रधानोपाध्यायमुदू,
कूदना	= दुमुकुठ, bounce, jump		headmaster
कदम	= अदुगु, step	पत्र	= उत्तर०, letter
किनारा	= बड्डू, तीरमु, bank, coast	फहराना	= एगुरवैयमुठ, hoist
कृपा	= दय, mercy	बाँसुरा	= फिल्स्ट्रोवि, flute
कक्षा	= तराति, class room	बुखार	= ज्यरमु, fever.
क्रमांक	= क्रमसंज्य, roll number	भूल	= तप्पू, पोरपोठमु, mistake
चुराना	= दोङलिंमुठ, steal	भेंट	= जानुक, gift
चोंच	= मुकु॒, beak	मानना	= अंगीकरिंमुठ, to accept
चढ़ाना	= ऐकै॒०मुठ, lift	महोदय	= अय्यू, sir
छीनना	= लाकै॒०वद०, snatch	लकड़हारा	= कट्टेलु काण्डेवादु, woodcutter
छुट्टी	= नैलवू, leave, holiday	शीघ्र	= वै०१८०, immediately
छात्र	= विद्यार्थि, student	शान	= गोप्यदन०, magnificence
जंगल	= अदवि, forest	सदाचार	= सत्पूषवदून, gentleness
झूठ	= अबद्धमु, lie	सेवा	= नै॒८०, service
त्याग	= त्यागमु, sacrifice	संस्कृति	= संस्कृति, culture
खोज	= वेदुकु, search	सरकार	= प्रश्नत्वमु, government
त्यौहार	= संदुग्ध, festival	होशियार	= तेलवै॒८०, brilliant
ताकत	= जु॒॒॒, stamina	हिलाना	= कदिलिंवद०, shakeup
दुर्गुण	= दुरु॒॒॒मु, bad quality	हिम्मत	= द्वे॒र्यमु, daring
दूर	= दुरमु, far	ज्ञान	= ज्ञानमु, knowldge
दिमाग	= मेददु, brain		
दल	= जट्टू, team.		

लहर - 2

सेमिस्टर - 2

सेमिस्टर-2

क्या...कहाँ ?

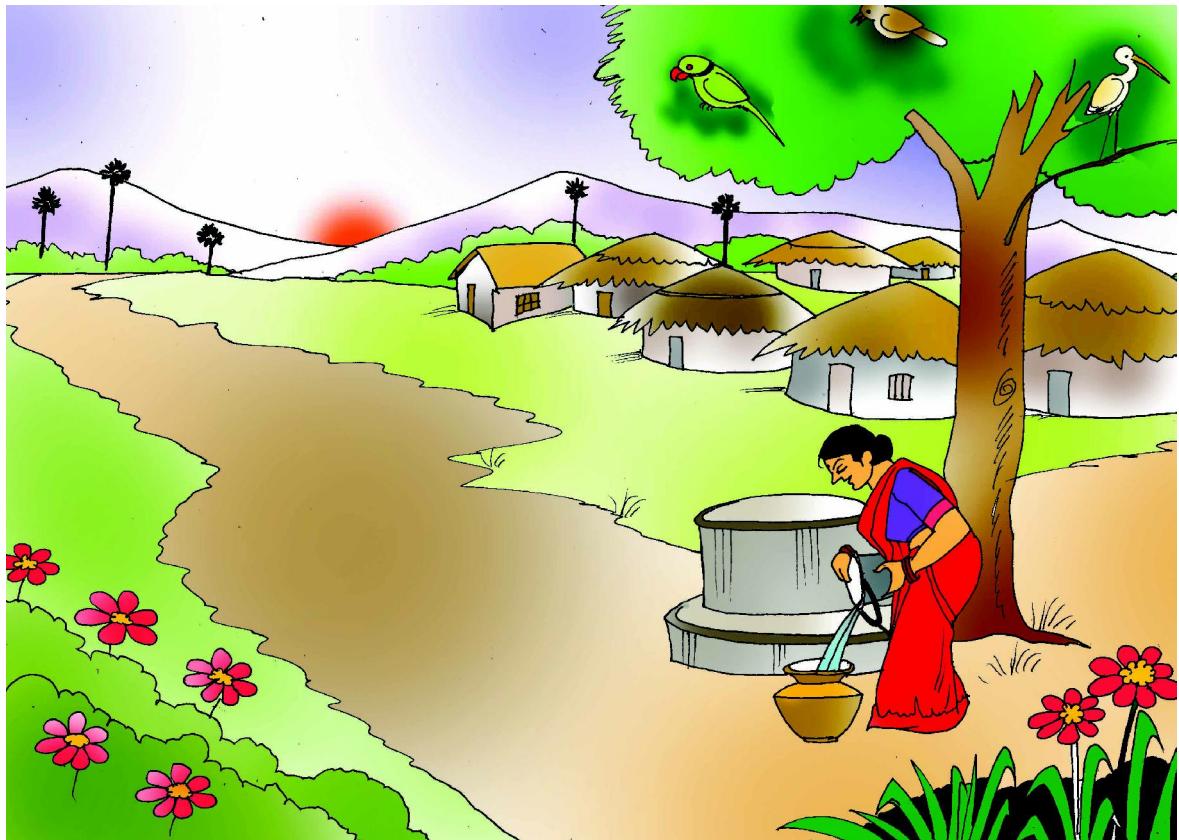
क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
7.	कोयल	कविता	नवंबर	58
8.	आओ हिन्दी सीखें	संवाद	दिसंबर	67
9.	साहसी बालक	कहानी	दिसंबर	77
10.	कबीर की वाणी	कविता	जनवरी	85
11.	सफलता का मंत्र	कहानी	फरवरी	94
12.	कोंडापल्ली की यात्रा	यात्रा वर्णन	मार्च	102

कोयल



सोचिए - बोलिए

कवयित्री : श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान
1904 - 1948



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं?
2. औरत क्या कर रही है ?

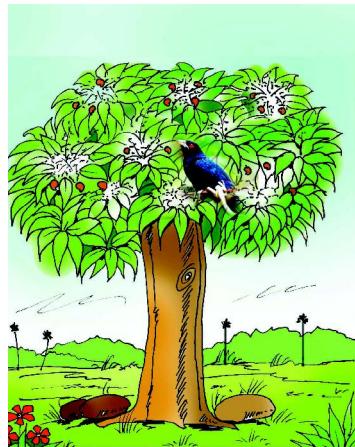
वसंत ऋतु में सूर्योदय के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है। इस ऋतु में हम कोयल की कूक सुनते हैं। अब हम इस पाठ में कोयल के बारे में पढ़ेंगे।

7. कोयल

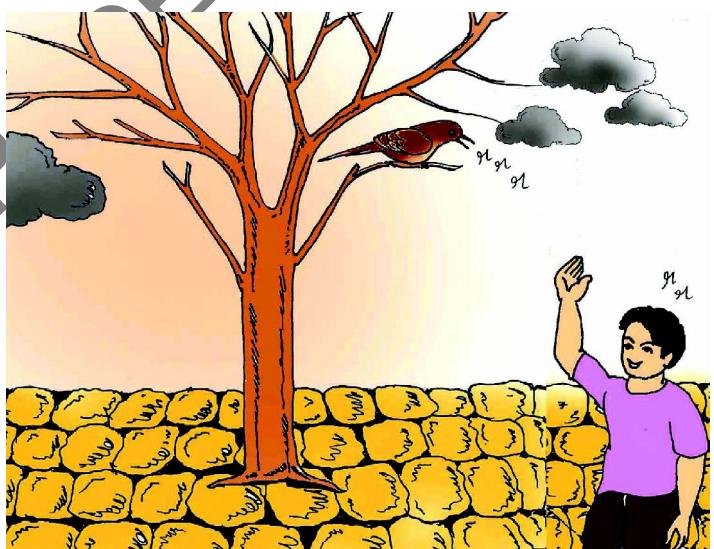
देखो कोयल काली है पर
मीठी है इसकी बोली ।
इसने ही तो कूक कूक कर
आमों में मिश्री धोली ।



क्या गाती हो? किसे बुलाती...
बतला दो कोयल रानी ।
प्यासी धरती देख मँगती
हो क्या मेघों से पानी ?



कोयल कोयल सच बतलाना
क्या संदेशा लाई हो ।
बहुत दिनों के बाद आज फिर
इस डाली पर आई हो ॥



1. कुछ पक्षियों के नाम बताइए ।
2. वर्षा की बूँदें कहाँ से गिरती हैं ?

पाठ का सारांश

कोयल काली होती है । उसकी आवाज मीठी होती है । उसकी कूक आमों में मिश्री जैसी मिठास धोलती है । कोयल प्यासी धरती के लिए मेघों से पानी मँग रही है । वह अपना संदेश लेकर बहुत दिनों के बाद डाली पर आयी है । कविता का सारांश यह है कि मधुर बोलने से हर जगह आदर मिलता है ।

शब्दार्थ :

- | | | | | | |
|-----------|---|--------|----------|---|---------------------|
| 1. बोली | = | वाणी | 2. कूकना | = | कुहू-कुहू आवाज करना |
| 3. मिश्री | = | मिसरी | 4. घोलना | = | मिलाना |
| 5. संदेश | = | समाचार | 6. मेघ | = | बादल |
| 7. डाली | = | शाखा | 8. धरती | = | जमीन |

श्रुतलेख :

कोयल

आम

मिश्री

धरती

मेघ



सुनिए-बोलिए

1. इस पाठ में किसके बारे में बताया गया है ?
2. कोयल की बोली कैसी होती है ?
3. कोयल किससे पानी माँगती है ?



अ) सही जोड़ी बनाइए ।

- | | |
|-----------|------------|
| 1. बोली | (क) बादल |
| 2. मिश्री | (ख) शाखा |
| 3. मेघ | (ग) समाचार |
| 4. डाली | (घ) मिसरी |
| 5. संदेश | (ड) वाणी |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रम संख्या कोष्टक में लिखिए।

1. हो क्या मेघों से पानी ? ()
2. कोयल, कोयल सच बतलाना ()
3. आमों में मिश्री घोली ()
4. देखो कोयल काली है पर (1)
5. बतला दो कोयल रानी ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला ‘○’ बनाइए।

- | | | | |
|----------------|------|-------|-------|
| 1. कोयल | खोयल | कोयाल | कोयली |
| 2. अम | आम | आमा | अमा |
| 3. सछ | सचा | सच | शच |
| 4. बहुत | भहुत | बहूत | बाहुत |
| 5. दरती | धरती | धारती | धरति |

ई) चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला ‘○’ बनाइए।

1. पेड़ पर कोयल है।



2. वह घर है।



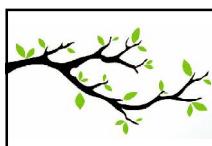
3. वह सूरज है।



4. वह आम का पेड़ है।



5. वह डाली है।





लिखिए

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. कोयल की बोली कैसी है ?
2. आमों में मिश्री किसने भरी ?
3. कोयल गाते हुए किसे बुला रही है ? क्यों ?

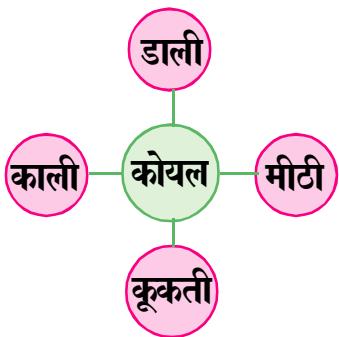
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

“कोयल” कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए।

1. कोयल का रंग काला है। (काला / सफेद)
2. कोयल की बोली है। (कड़वा / मीठी)
3. कोयल ने अपनी कूक से में मिश्री बोली है। (आमों / अमरुद्)
4. प्यासी धरती के लिए से पानी माँगती है। (सूरज / मेघों)
5. कोयल, कोयल बतलाना। (सच / झूठ)

ई) संकेतों के आधार वाक्य लिखिए।



1. कोयल कूकती है।
2.
3.
4.
5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. कोयल : क् + ओ + यू + अ + ल् + अ
2. मिश्री :
3. डाली :
4. प्यासा :
5. मेघ :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द बनाइए।

1. कोयल - लता - ताला - लाज - जल
2. आम -
3. आज -
4. रानी -
5. मेघ -

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. सच - सत्य, यथार्थ
2. गाना -
3. माँ -
4. सदा -
5. संदेश -



इ) विलोम शब्द लिखिए ।

छोटा कम सफेद झूठ एक जोर से

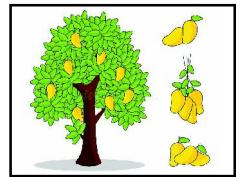
1. श्यामपट काला है । सफेद
2. बाग में अनेक पेड़ हैं ।
.....
3. सदा सच बोलना चाहिए ।
.....
4. बाग में बहुत पेड़ हैं ।
.....
5. हमारे घर का आँगन बहुत बड़ा है ।
.....



सृजनात्मकता

(अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए ।

1.
2.
3.
4.



(आ) परियोजना कार्य

1. कुछ पशु-पक्षियों के चित्र इकट्ठा करके कक्षा में दिखाइए ।

(इ) अनुवाद कीजिए ।

1. आम मीठा होता है ।
2. बच्चों को मिठाई पसंद है ।
3. पतझड़ में पत्ते गिरते हैं ।
4. धरती हमारी माता है ।
5. पानी से घास बुझती है ।



व्याकरणांश

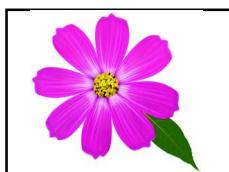
(अ) नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द सर्वनाम कहलाते हैं ।



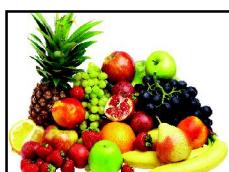
मैं पढ़ता हूँ ।



हम पढ़ते हैं ।



यह फूल है ।



ये फल हैं ।



वह फल खाता है ।

सर्वनाम परिभाषा:

संज्ञा के बदले में प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को “सर्वनाम” कहते हैं।

जैसे: मैं, हम, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, क्या, कौन, अपना...आदि।

अ) कविता पढ़कर सर्वनाम शब्द रेखांकित कीजिए।

आ) नीचे दिये गये वाक्यों में से सर्वनामों को पहचानकर लिखिए।

- | | |
|-------------------------|--------------|
| 1. वह कोयल है। |वह..... |
| 2. यह आम का पेड़ है। | |
| 3. आप आम खाइए। | |
| 4. कौन गाना गा रहा है ? | |
| 5. मैं गीत गाता हूँ। | |

क्या मैं ये कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. कविता के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. कोयल पाठ पढ़ सकता / सकती हूँ।		
4. वाक्यों में सर्वनामों को पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों केलिए सूचना :

सुभद्रा कुमारी चौहान जी की कुछ अन्य कविताएँ पढ़कर कक्षा में सुनाइए।



आओ हिंदी सीखें



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

- चित्र में क्या क्या दिखाई दे रहे हैं ?
- बच्चे क्या कर रहे हैं ?

भारत में अलग - अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। हिंदी हमारी संपर्क भाषा और राजभाषा है। यह सरल भाषा है। इसे सीखना हमारा कर्तव्य है। इस पाठ में हिन्दी में लिंग और वचन के बारे में दो बच्चे बातचीत करते हैं।

8. आओ हिंदी सीखें



राजू और रमा दोनों एक ही कक्षा के छात्र हैं। राजू पाठशाला में नया है। दोनों कक्षा में बातचीत करते हैं।

राजू : मैं राजू हूँ।

रमा : मैं रमा हूँ।

रमा : राजू ! तुम्हारी मातृभाषा क्या है ?

राजू : मेरा मातृभाषा तेलुगु है।

रमा : (हँसते हुए) ‘मेरा’ नहीं ‘मेरी’ कहो। मेरी मातृभाषा हिंदी है। ‘भाषा’ स्त्री लिंग शब्द है।

राजू : रमा ! हमें हिंदी कौन पढ़ाते हैं ?

रमा : सरला जी हमें हिंदी पढ़ाती हैं।

राजू : हाँ ! वे स्त्री हैं इसलिए तुमने कहा - “पढ़ाती हैं”, “पढ़ाता है” नहीं।

रमा : तुम भी अब हिन्दी व्याकरण अच्छी तरह समझने लगे हो।

राजू : वहाँ देखो। मैदान में कई घोड़ा है।

रमा : राजू एक नहीं। कई घोड़े हैं।

एक से ज्यादा होने पर बहुवचन में ‘घोड़ा’ नहीं, ‘घोड़े’ कहना चाहिए और ‘है’ नहीं ‘हैं’ कहना चाहिए।

राजू : रमा जी। आपकी हिंदी बहुत अच्छी है। आपके साथ रह कर मैं भी जल्दी अच्छी हिंदी में बोल सकूँगा। (रमा को बहुत प्यास लगी)

रमा : मुझे पानी पीना है।

राजू : लेकिन मुझे शरबत पीना है।

रमा : अच्छा। चलो, दोनों चलेंगे।

राजू : तुम्हारी घर कहाँ है ?

1. मातृभाषा बोलने में अच्छी लगती है। क्यों?
2. हमें हिंदी क्यों सीखनी चाहिए ?

रमा : 'तुम्हारी' नहीं, 'तुम्हारा' कहो ।

राजू : अरे! गलती हो गयी । घर पुलिंग है न ?

रमा : तुम मेरा बात सुनो ।

राजू : अरे, इस बार तुम गलत कैसे बोली ?

'मेरा बात' नहीं, 'मेरी बात' कहना चाहिए न ?

रमा : हाँ ! - हाँ ! मैं गलत बोली ।

(हिन्दी में बातचीत करते रहने से गलतियाँ सुधार जाएँगी अच्छी हिन्दी बोल सकेंगे ।)

राजू : हाँ, सही है । अब चलें ।

पाठ का सारांश

इस पाठ में हिंदी में बात करते समय लिंग और वचन के प्रयोग में होनेवाली गलतियों को सुधारने का प्रयत्न किया गया है । इस पाठ में स्त्री लिंग और पुलिंग शब्दों के बारे में बताया गया है । यह स्पष्ट किया गया है कि मेरा - मेरी, तुम्हारा - तुम्हारी जैसे शब्दों का प्रयोग कब, कैसे करना है । इसी तरह इस पाठ में एक वचन और बहु वचन के प्रयोग के बारे में बताया गया है ।

शब्दार्थ :

सरल = आसान

घर = मकान

घोड़ा = एक जानवर

गलती = भूल

मैदान = खेलकूद की जगह

बालक = लड़का

कक्षा = वर्ग

स्त्री = औरत

श्रुतलेख :

कोयल

आम

मिश्री

धरती

मेघ



सुनिए-बोलिए

- पाठ में हिंदी बोलने में कौन गलतियाँ कर रहा है ?
- राजू और रमा कहाँ मिलते हैं ?
- रमा की मातृभाषा क्या है ?

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | | |
|----|---|-------|
| 1. |  | माता |
| 2. |  | किताब |
| 3. |  | शरबत |
| 4. |  | लड़का |
| 5. |  | घोड़ा |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचान कर क्रम संख्या कोष्टक में लिखिए।

1. रमा, हमें हिंदी कौन पढ़ाते हैं ? ()
2. मैदान में घोड़ा है। ()
3. मेरी मातृभाषा हिंदी है। ()
4. राजू पाठशाला का नया छात्र है। (1)
5. लेकिन मुझे शरबत पीना है। ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|---------------|------------|-------------|-----------|
| 1. अ) कोन | आ) कौन | इ) काउन | ई) कोउन |
| 2. अ) मदान | आ) मादान | इ) मदाना | ई) मैदान |
| 3. अ) अच्चा | आ) अच्ची | इ) अच्छा | ई) आचा |
| 4. अ) धन्यवाद | आ) धनियवाद | इ) धनाव्याध | ई) धनावाद |
| 5. अ) बतचीत | आ) बातचित | इ) बातचीत | ई) बताचित |

इ) चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

1.



लड़का पाठशाला जा रहा है ।

2.



घोड़ा मेदान में है ।

3.



अध्यापिका पाठ पढ़ा रही हैं ।

4.



यह लड़की है ।

5.



वह पानी पीता है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. सरला जी क्या पढ़ती हैं ?
2. राजू ने मैदान में क्या देखा ?
3. रमा क्या पीना चाहती है ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

1. “आओ हिंदी सीखें” पाठ का सारांश लिखिए।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए।

- | | |
|--------------------------------------|--------------|
| 1. राजू पाठशाला जा <u>रहा</u> है। | (रहा / रही) |
| 2. राजू और रमा पाठशाला जा हैं। | (रहे / रहा) |
| 3. सरला जी कक्षा में आ है। | (रही / रहे) |
| 4. घोड़ा मैदान में चर है। | (रहा / रही) |
| 5. माँ खाना बना है। | (रही / रहे) |

(इ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए।



- 1.

छात्र पढ़ता है।



- 2.

.....



- 3.

.....



4.



5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. भाषा : भू + आ + प्रू + आ
2. अच्छा :
3. तुम्हारा :
4. व्याकरण :
5. स्त्री :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द लिखिए।

- | | | | | | | | | |
|------|---|-------|---|-----|---|----|---|----|
| रमा | - | मारा | - | रात | - | तन | - | नल |
| जल | - | | | | | | | |
| सरला | - | | | | | | | |
| बात | - | | | | | | | |
| बोध | - | | | | | | | |

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. विद्यालय - पाठशाला, स्कूल
2. नवीन -
3. शीघ्र -
4. विकास -
5. घर -



इ) विलोम शब्द लिखिए।

1. सरल x कठिन
2. सही x
3. एक x
4. अच्छा x
5. परिचित x



सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए।



1.
2.
3.
4.
5.

आ) परियोजना कार्य

“हिन्दी दिवस” से संबंधित चित्र इकट्ठा कीजिए।

इ) कुछ चित्र इकट्ठा करके लिंग पहचानकर लिखिए।

ई) अनुवाद कीजिए।

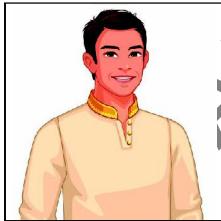
1. मेरी मातृभाषा तेलुगु है।
2. मैदान में घोड़ा है।
3. गलत काम नहीं करना चाहिए।
4. सब से बातचीत करनी चाहिए।
5. गन्ने का रस पीने से प्यास बुझती है।



व्याकरणांश

अ)

पुलिंग



स्त्री लिंग



पहले चित्र से पुरुष जाति का बोध होता है।

दूसरे चित्र से स्त्री जाति का बोध होता है।

परिभाषा : जो शब्द पुरुषवाचक हैं, उन्हें पुलिंग कहते हैं।

जो शब्द स्त्री वाचक हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे : **पुलिंग शब्द** : लड़का, घोड़ा, बकरा, मुर्गा, आदि।

स्त्री लिंग शब्द : लड़की, घोड़ी, बकरी, मुर्गी आदि।

आ) नीचे दिये गये वाक्यों में स्त्री लिंग शब्द रेखांकित कीजिए।

1. सरला जी हिंदी पढ़ती है।
2. रमा की मातृभाषा हिंदी है।
3. लड़की पाठशाला जाती है।
4. अध्यापिका पाठ पढ़ती हैं।
5. माँ खाना बनाती है।

इ) नीचे दिये गये वाक्यों में पुल्लिंग शब्द रेखांकित कीजिए।

1. आदमी चाय पी रहा है।
2. पिताजी बाजार जा रहे हैं।
3. राजकुमार वन गया।
4. मामा पुस्तक पढ़ रहे हैं।
5. शेर जंगल का राजा है।

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. 'आओ हिंदी सीखें' के संवादों को सुनकर प्रेरणा पा सकता / सकती हूँ।		
2. एक वचन और बहुवचन शब्द पहचान सकता / सकती हूँ।		
3. स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

हिंदी भाषा से संबंधित कुछ विषयों को दृश्य रूप में दिखाइए।





सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. आग लगने पर लड़के ने क्या किया ?

हमें किसी से डरना नहीं चाहिए। डरना साहस नहीं है। डर पर विजय पाना साहस कहलाता है। हमें धैर्य और साहस से काम लेना चाहिए। बचपन से ही धैर्य और साहस बच्चों में दिखाई देते हैं, ऐसे ही बच्चे आगे चलकर साहसी बनते हैं। आज हम एक साहसी बालक के बारे में पढ़ेंगे। वह बचपन से ही अपने साहस के लिए प्रसिद्ध था।

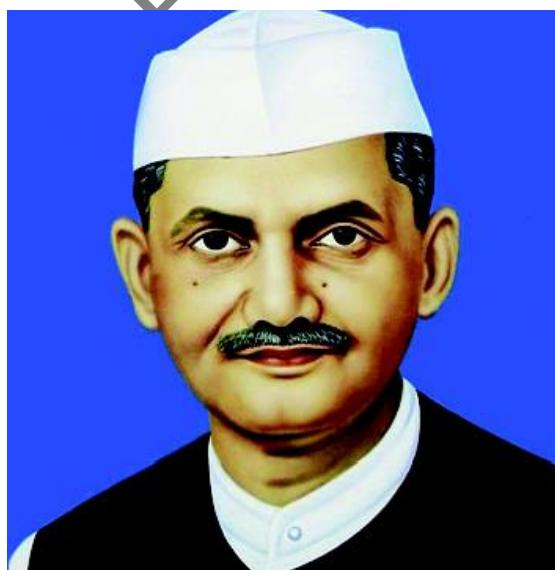
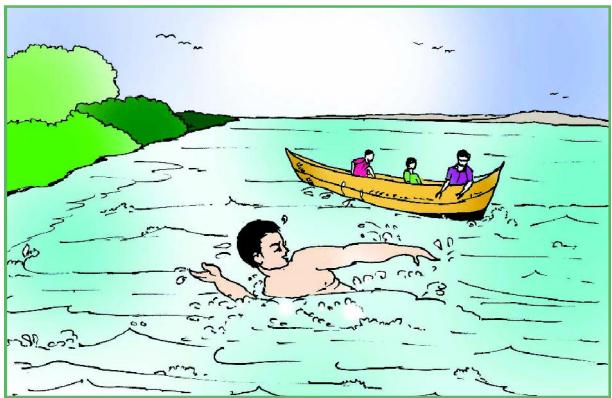
9. साहसी बालक

एक बालक था। वह चौथी कक्षा में पढ़ता था। उसका स्कूल गाँव से दूर था। वह प्रतिदिन पैदल चलकर स्कूल जाता था। रास्ते में नदी बहती थी। नाव से जाने के लिए उसके पास पैसे नहीं होते थे। वह रोज तैर कर ही स्कूल जाता था।

सर्दी के दिन थे। बालक स्कूल जाने के लिए नदी में कूद पड़ा। तैरते-तैरते नदी के बीच जा पहुँचा। उसी समय कुछ यात्री नाव पर सवार कर नदी पार कर रहे थे। उन्होंने सोचा कि बालक नदी में डूब जाएगा। वे अपनी नाव बालक के पास ले गए। उसे खींच कर नाव में बिठा लिया।

बालक के चेहरे पर कोई डर या घबराहट नहीं थी। सभी लोग चकित रह गए। इतना छोटा, इतना साहसी! वे बोले तू! डूब मरोगे क्या? कभी भी ऐसा साहस नहीं करना चाहिए।”

तब बालक बोला - “साहस करना ही पड़ता है जी, अब साहस नहीं करूँगा तो आगे चलकर मैं बड़े-बड़े काम कैसे कर सकूँगा? मैं रोज स्कूल नदी में तैरकर ही जाता हूँ।” लोग उसकी बात सुन कर दंग रह गये। यही साहसी बालक आगे चलकर भारत का प्रधानमंत्री बना। इन्हें सारा संसार लाल बहादुर शास्त्री के नाम से जानता है। इन्होंने ही देश को जय-जयान जय-किसान का नाम दिया।



1. शास्त्रीजी में साहस के अलावा और कौन कौन-से अच्छे गुण हैं? बताइए।
2. अगर तुम बालक की जगह पर होते तो क्या करते?

पाठ का सारांश

एक बालक चौथी कक्षा में पढ़ता था। उसके पास पैसे नहीं थे। इस कारण वह नदी में तैरकर स्कूल जाता था। एक बार कुछ यात्री नाव में नदी पार कर रहे थे। उनको लगा कि बालक नदी में डूब जायेगा। उन्होंने उसे खींचकर नाव में बिठा लिया। वह साहसी बालक था। वह बोला कि “मैं रोज तैर कर ही स्कूल जाता हूँ। सब लोग आश्चर्य चकित रह गये। यही साहसी बालक लालबहादुर शास्त्री था। आगे चलकर वे भारत के प्रधानमंत्री बने।

शब्दार्थ :

स्कूल	=	पाठशाला	साहस	=	हिम्मत
दंग रह जाना	=	आश्चर्य चकित होना	गाँव	=	ग्राम
संसार	=	दुनिया	प्रतिदिन	=	हर रोज

श्रुतलेख :

साहस श्रुतिदिन पैदल भारत संसार प्रधानमंत्री



सनिए-बोलिए

- कुछ साहसी बालकों या बालिकाओं के नाम बताइए ।
 - आप स्कूल कैसे आते हैं ?
 - आँध्रप्रदेश की प्रमुख नदियों के नाम बताइए ।



अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|---------------------------|-----------------------------------|
| 1. नदी | चौथी कक्षा में पढ़ता था । |
| 2. बालक | बहती थी । |
| 3. स्कूल | जय जवान - जय किसान का नारा दिया । |
| 4. लोग | गाँव से दूर था । |
| 5. लाल बहादुर शास्त्री ने | उसकी बातों से दंग रह गये । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचान कर क्रम संख्या कोष्टक में लिखिए ।

1. तैरते-तैरते नदी के बीच आ पहुँचा । ()
2. एक बालक चौथी कक्षा में पढ़ता था । (1)
3. ऐसा साहस नहीं करना चाहिए । ()
4. इतना छोटा इतना साहसी । ()
5. लोग उसकी बातों से दंग रह गए । ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्द पर गोला ‘○’ बनाइए ।

1. साहसी	सहसी	सहसा	सिहसी
2. नादा	नदी	नदि	नादे
3. पैडल	पैदल	दपेल	पौदल
4. बलाक	बलक	बालक	बालक
5. कसान	कीसन	किसाना	किसान

ई) चित्रों से संबंधित शब्द पर गोला ‘○’ बनाइए ।



यह स्कूल है ।



मैं किसान हूँ ।



नाव चलती है ।



मैं भारत का जवान हूँ ।



यह सुंदर गाँव है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. शास्त्री जी स्कूल कैसे जाते थे?
2. लालबहादुर शास्त्री जी ने देश को कौन-सा नारा दिया?

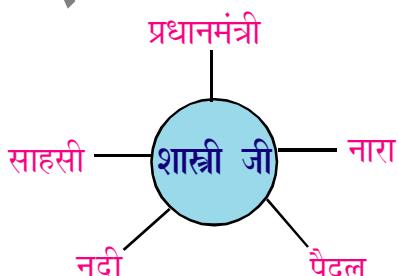
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

“साहसी बालक” पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए।

1. शास्त्री जी कक्षा में पढ़ते थे। (चौथी / सातवीं)
2. बालक तैरते-तैरते के बीच आ पहुँचा। (नदी / समुद्र)
3. यात्री को बालक के पास ले गए। (नाव / कार)
4. उन्होंने जय जवान जय का नारा दिया। (किसान / विज्ञान)
5. लोग उसकी बातों से रह गए। (दंग / रंग)

ई) संकेतों के आधार पर वाक्य लिखिए।



1. शास्त्री जी साहसी बालक थे।
2.
3.
4.
5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. पैदल : प् + ऐ + द् + अ + ल् + अ
2. खींचना :
3. रास्ता :
4. शास्त्री :
5. प्रधानमंत्री :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के चार शब्द लिखिए।

1. स्कूल - लड़का - काम - मन - नल
2. बालक - - - -
3. नाव - - - -
4. भारत - - - -
5. किसान - - - -

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. गाँव - ग्राम देहात
2. स्कूल -
3. नदी -
4. डर -
5. साहसी -



इ) विलोम शब्द लिखिए।

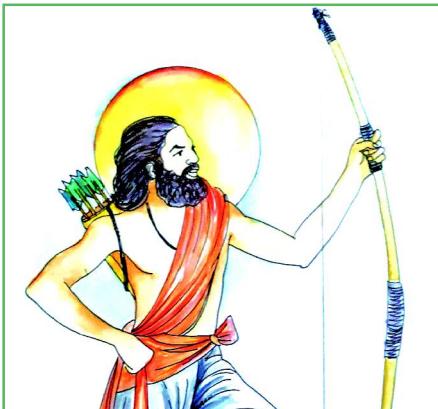
1. एक × अनेक
2. गाँव ×
3. देश ×
4. दूर ×
5. छोटा ×





सुजनात्मकता

अ) चित्र देखकर दो वाक्य लिखिए।



1.

2.

आ) परियोजना कार्य

महान् व्यक्तियों के नारों को संग्रहित करके चार्ट पर लिखिए।

इ) अनुवाद कीजिए।

1. मैं सातवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।
2. भारत बहु भाषी देश है।
3. गंगा नदी बहती है।
4. वह होशियार बालक है।
5. तैराक ने सभी लोगों को बचाया।



व्याकरणांश

उदा : 1. मैं साहसी हूँ।

2. गाँव में छोटी सी दूकान है।

3. यह लाल सेब है।

परिभाषा : संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाले शब्दों को “विशेषण” कहते हैं।

जैसे छोटा, बड़ा, सुंदर, साहसी, बुद्धिमान, मीठा, कम आदि।

अ) निम्न लिखित वाक्यों में विशेषण शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. गुलाब सुंदर होता है।
2. आम मीठा होता है।
3. वह अच्छा लड़का है।
4. गंगा पवित्र नदी है।
5. मुझे गरम पानी दीजिए।

आ) निम्न विशेषण शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. नीला - आसमान नीला है।
2. मोटा -
3. लाल -
4. ऊँचा -
5. मीठा -

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. लाल बहादुर शास्त्री जी के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
3. विशेषण शब्दों को पहचान सकता हूँ।		

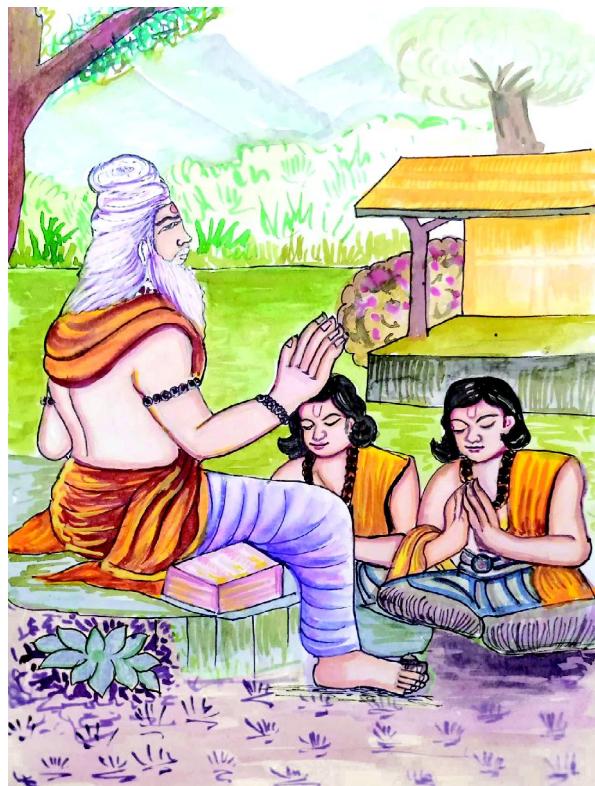
अध्यापकों के लिए सूचना :

साहसी बालकों के साहस कार्यों के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।





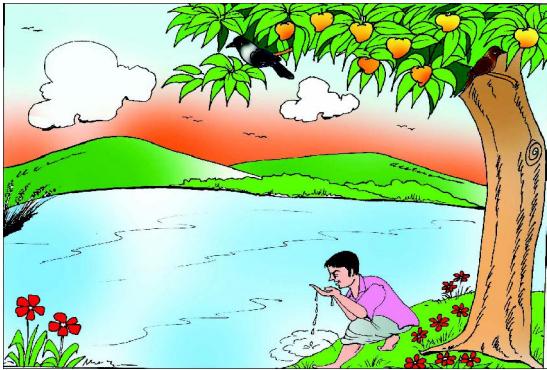
सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. वे क्या कर रहे हैं ?
3. उपर्युक्त चित्र किससे संबंधित है ?

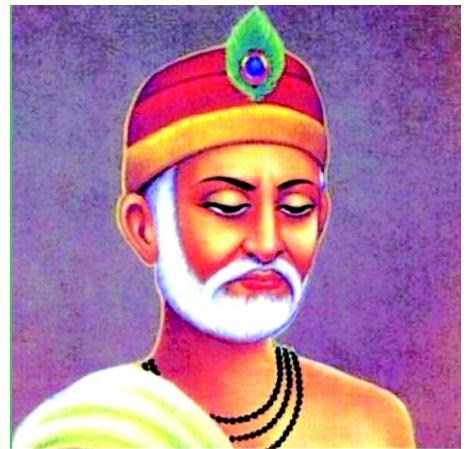
कबीरदास हिन्दी के महान् कवि थे। कबीर के दोहे नीति भरे होते हैं। इस पाठ में बताया गया है कि - भारतीय संस्कृति महान् है। भारत में गुरुजनों का आदर करते हैं। भारत में धर्म का पालन करते हैं। आंतरिक संस्कारों को बनाये रखते हैं। ज्ञान से जीवन बिताते हैं।



10. कबीर की वाणी

कवि: कबीरदास

जन्म: 1398-1518



**तीरथ गए से एक फल, संत मिले फल चार ।
सतगुरु मिले अनेक फल, कहे कबीर विचार ॥**

भावार्थ: कबीर कहते हैं कि - “तीरथ जाने से एक फल मिलता है । संतों की संगति से चार फल मिलते हैं । लेकिन सच्चे गुरु को पा लेने से जीवन में अनेक फल मिलते हैं ।”



**जहाँ दया तहाँ धर्म है, जहाँ लोभ वहाँ पाप ।
जहाँ क्रोध तहाँ काल है, जहाँ क्षमा वहाँ आप ॥**

1. कवि वेमना के बारे में आप क्या जानते हैं ?
2. जीवन में परोपकार का महत्व क्या है ?

भावार्थ: कबीर कहते हैं कि - “जहाँ दया होती है वहाँ धर्म होता है । जहाँ लोभ होता है वहाँ पाप होता है । जहाँ क्रोध होता है वहाँ नाश होता है । जहाँ क्षमा होती है वहाँ भगवान का वास होता है ।”

**नहाये धोये क्या हुआ, जो मन मैल न जाए ।
मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए ॥**



भावार्थ: कबीर कहते हैं कि - “केवल नहाने, धोने से मन का मैल नहीं जाता । मछली हमेशा जल में रहती है । फिर भी उसकी बदबू नहीं जाती है । हमें तन के बजाय मन का मैल दूर करना चाहिए ।”



कबीर लहरि समंदर की, मोती बिखरे आई ।
बगुला भेद न जानई, हँसा चुनी-चुनी खाई ॥

भावार्थः कबीर कहते हैं कि - “समुद्र की लहरों के साथ मोती आकर तट पर बिखर जाते हैं । बगुला उनका महत्व नहीं जानता । मगर हंस उनका महत्व जानता है । इसीलिए हंस मोतियों को चुन-चुनकर खाता है । अर्थात् असली वस्तु का महत्व सिर्फ़ ज्ञानी ही जानता है ।”

शब्दार्थ :

संत = महात्मा

विचार = सोच

लोभ = लालच

मीन = मछली

सदा = हमेशा

समंदर = सागर

क्रोध = गुस्सा

फल = परिणाम

क्षमा = माफ़

हंसा = हंस

श्रुतलेख :

सतगुरु

क्रोध

क्षमा

बगुला

लोभ



सुनिए-बोलिए

1. गुरु के महत्व के बारे में बताइए ।
2. हंस की तुलना किससे की गयी ?
3. समुंदर में क्या-क्या मिलते हैं ?



अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|--------------------------|--|
| 1. सच्चे गुरु को पाने से | अ) वहाँ धर्म है । |
| 2. जहाँ दया है | आ) वहाँ भगवान का वास होता है । |
| 3. जहाँ क्षमा है | इ) ज्ञानी ही जानता है । |
| 4. नहाने धोने से | ई) जीवन में अनेक फल प्राप्त होते हैं । |
| 5. असली वस्तु का महत्व | उ) मन का मैल नहीं जाता । |

आ) दोहे के क्रम को पहचान कर उसकी क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

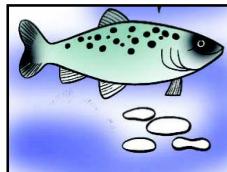
- | | |
|-----------------------------|----------|
| 1. जहाँ लोभ वहाँ पाप । | [] |
| 2. जहाँ क्रोध तहाँ काल है । | [] |
| 3. जहाँ क्षमा वहाँ आप | [] |
| 4. जहाँ दया वहाँ धर्म है । | [1] |

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|-----------|--------|---------|--------|
| 1. हंस | हस | हन्स | हनस |
| 2. पुण्य | पुन्य | पुण्य | पुनय |
| 3. सचगुरु | सतघुरु | सदागुरु | सतगुरु |
| 4. मचली | मछली | मछलि | माछली |
| 5. बगवान | भवगान | भगावान | भगवान |

ई) नीचे दिए गए वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला ‘○’ बनाइए।

1. मछली पानी में रहती है।



2. कबीरदास हिंदी के महान कवि थे।



3. मोती सागर में मिलते हैं।



4. हंस का रंग सफेद होता है।



5. पेड़ पर बगुला है।



लिखिए

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए।

1. सतगुरु को पा लेने से क्या होता है ?
2. क्रोध का परिणाम क्या होता है ?
3. हंस की विशेषता क्या है ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए।

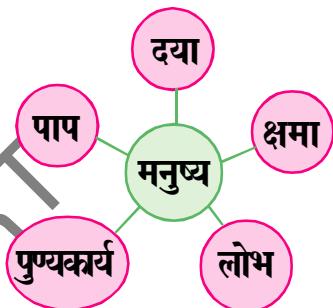
1. “कबीर की वाणी” से अपने मन पसंद किन्हीं दो दोहों का भाव अपने शब्दों में लिखिए।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए ।

1. सतगुरु को पा लेने से लाभ होते हैं । (अनेक / चार)
2. जहाँ दया होती है वहाँ होता है । (क्षमा / धर्म)
3. मीन सदामें रहती है । (जल / बादल)
4.भेद नहीं जानता है । (बगुला / हंस)
5. हंस चुन-चुन कर खाता है । (मोती / कंकड़)

ई) संकेतों के आधार पर वाक्य लिखिए ।

1. मनुष्य में दया होनी चाहिए।
2.
3.
4.
5.



उ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

1. तीर्थ : त् + ई + रु + थ् + अ
2. क्रोध :
3. संगति :
4. सतगुरु :
5. बिखरना :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के चार शब्द लिखिए ।

1. अनेक - कबीर - रबड़ - डमरु - रुखा
2. काल -
3. सदा -

4. पाप -
5. फल -

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. पाप गुनाह, अपराध
2. क्रोध ,
3. मीन ,
4. जल ,
5. भेद ,



इ) विलोम शब्द लिखिए।

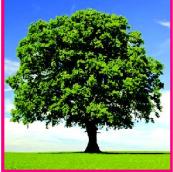
1. ज्ञानी ✕ अज्ञानी
2. धर्म ✕
3. पाप ✕
4. क्रोध ✕
5. मिलना ✕



सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए।

1. मछली जल की रानी है।
2.

3. 
4. 
5. 

आ) परियोजना कार्य

कुछ दोहों का संकलन करके कक्षा में दिखाइए।

इ) अनुवाद कीजिए।

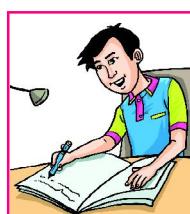
1. बालक नहाता है।
2. गुरु पाठ पढ़ते हैं।
3. हंस मोती खाता है।
4. देवी बाजार जाती है।
5. राजा गाना गाता है।



व्याकरणांश



लड़का पढ़ता है।



लड़का लिखता है।



लड़की प्रार्थना करती है।



लड़की साइकिल चलाती है।



लड़का तैरता है।



बच्चे पाठशाला जाते हैं।

क्रिया :

“किसी काम के होने या करने का बोध करनेवाले शब्दों को “क्रिया” कहते हैं।”

उदाहरण : खाना, पीना, सोना, उठना, बैठना ।

निम्न लिखित वाक्यों में क्रिया शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. मोहन बाज़ार जाता है ।
2. उमा खाना खाती है ।
3. लड़का आम खाता है ।
4. राजा विजयवाड़ा से आता है ।
5. लड़कियाँ पौधे लगाती हैं ।

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. दोहों के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ ।		
2. दोहों के भावार्थ अपने शब्दों में बोल सकता / सकती हूँ ।		
3. दोहों के भावार्थ अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ ।		
4. कबीर के पद गा सकता / सकती हूँ ।		

अध्यापकों केलिए सूचना :

कबीर के कुछ अन्य नीति दोहे बच्चों को सिखाइए।





सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. आदमी क्या कर रहा है ?

उपर्युक्त चित्र में एक आदमी रास्ता बना रहा है। वह पहले मन में रास्ता बनाने का निर्णय लेता है। फिर वह सफल हो जाता है। जिसके पास दृढ़ संकल्प होता है, वह कठिन से कठिन काम को भी पूरा कर सकता है। ऐसी ही एक कहानी आज हम पढ़ेंगे।

11. सफलता का मंत्र

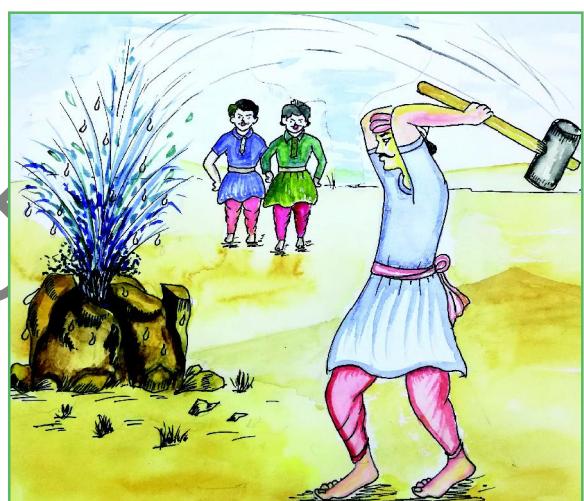
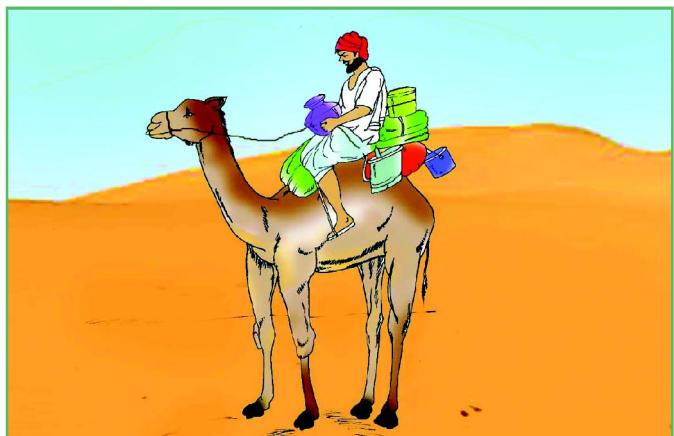
एक बार कुछ व्यापारी अपना माल बेचने रेगिस्तान से गुजर रहे थे। उनके साथ ऊँट और बैल भी थे। गर्मी के कारण वे दिन में सफर नहीं कर पा रहे थे। इसलिए वे रात के समय यात्रा कर रहे थे। उनके नेता मार्गदर्शक बनकर आगे जा रहे थे। सब उनके पीछे चल रहे थे। अंधेरे के कारण वे रास्ता भटक गये। आखिर जब सबेरा हुआ तब वे वहाँ पहुँचे जहाँ से शुरू हुए थे। इस से वे सब दुःखी हुए।

उनके पास एक बूँद पानी तक नहीं था। सब अपने नेता पर चिल्हाने लगे। नेता सोच में पड़ गया। “संकट का धैर्य से सामना करना चाहिए।” अचानक उस की नज़र एक घास के तिनके पर पड़ी। उसे लगा कि जरूर यहाँ पानी होगा। इसलिए कुछ लोगों की सहायता से वहाँ खोदने लगा। बहुत देर खोदने के बाद वहाँ एक पथर दिखाई पड़ा। इसे देखकर सब लोग नेता की निंदा करने लगे। तब नेता ने कहा “दोस्तों, बीच में ही अपना प्रयास नहीं छोड़ना चाहिए। चलो इस पथर को तोड़ेंगे।” एक युवक ने उस पथर को हथौडे से तोड़ डाला। पथर टूटते ही पानी ऊपर आया। इसे देखकर सब खुश हुए। सब अपनी प्यास बुझाकर यात्रा के लिए आगे बढ़ गये।

नीति : संकल्प की दृढ़ता से जरूर सफलता मिलती है।

पाठ का सारांश

कुछ व्यापारी माल लेकर रेगिस्तान से जा रहे थे। अंधेरे के कारण रास्ता भटक गये। इससे वे दुःखी हुए। इनके पास पीने का पानी भी नहीं था। नेता सोच में पड़ गया। संकट का धैर्य से सामना करने का निश्चय किया। अचानक उसकी नज़र एक तिनके पर पड़ी। खोदने पर वहाँ एक पथर दिखाई पड़ा। पथर को हथौडा से तोड़ा। पथर के टूटते ही पानी ऊपर आया। संकल्प की दृढ़ता से सफलता मिलती है।



1. समस्या का सामना कैसे करना चाहिए?
2. सफलता प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

शब्दार्थ :

संकल्प = दृढ़ निश्चय
आखिर = अंत में
भटकना = रास्ता भूल जाना

सफर = यात्रा
सबेरा = सुबह
गुजरना = जाना

श्रुतलेख :

व्यापारी ऊँट पहुँचना चिल्हाना हथौडा संकल्प



सुनिए-बोलिए

1. व्यापारी कहाँ से गुजर रहे थे ?
2. व्यापारी रास्ता क्यों भटक गये ?
3. सफलता कैसे मिलती है ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- 1) कुछ व्यापारी
- 2) संकट की स्थिति में
- 3) नेता की नज़र
- 4) संकल्प की दृढ़ता से
- 5) रात के समय

- अ) यात्रा कर रहे थे ।
- आ) तिनके पर पड़ी ।
- इ) जरूर सफलता मिलती है ।
- ई) रेगिस्तान से गुजर रहे थे ।
- उ) धैर्य से काम लेना चाहिए ।

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रम संख्या कोष्ठक में लिखिए ।

1. अचानक उसकी नज़र एक तिनके पर पड़ी । []
2. बहुत देर खोदने के बाद वहाँ एक पत्थर दिखाई पड़ा । []
3. कुछ व्यापारी रेगिस्तान से गुजर रहे थे । [1]
4. सब अपनी प्यास बुझाकर यात्रा के लिए आगे बढ़े । []
5. इससे वे सब दुःखी हुए । []

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

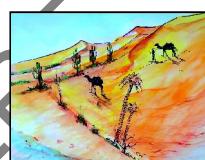
- | | | | |
|---------------------|-----------|-----------|-----------|
| 1. रेगिस्तान | रैगिस्थान | रेगिस्थान | रेघिस्तान |
| 2. गरमी | गर्मि | गरमी | गर्मी |
| 3. दैर्य | धैर्य | धौर्य | धैरय |
| 4. पत्तर | पतथर | पथर | पतरर |
| 5. हथौड़ा | हतौड़ा | हडौढ़ा | हतोड़ा |

ई) नीचे दिए गए वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

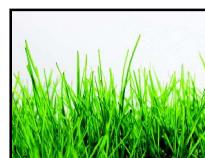
1. रेगिस्तान में यात्रा मुश्किल है ।



2. व्यापारियों के पास ऊँट थे ।



3. तिनका हवा में उड़ रही है ।



4. पत्तर तोड़ने पर पानी ऊपर आया ।



5. सबेरा बहुत सुहावना है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. रेगिस्तान से कौन गुजर रहे थे ? उनके साथ क्या-क्या थे ?
2. व्यापारी किस समय यात्रा कर रहे थे ?
3. नेता की नज़र किस पर पड़ी थी ? उसने क्या किया ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

1. “सफलता का मंत्र” पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

1. गर्मी के कारण व्यापारी दिन में सफर नहीं कर पा रहे थे। (सर्दी / गर्मी)
2. अंधेरे के कारण वे भटक गये। (रास्ता / सड़क)
3. व्यापारियों के पास नहीं था। (गाड़ी / पानी)
4. संकट का सामना से करना चाहिए। (धैर्य / अधैर्य)
5. बीच में कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए। (काम / प्रयास)

ई) पाठ में आये शब्दों के आधार पर वाक्य लिखिए।

या	त्रा	व्या	ग	ति
स	रा	पा	नी	न
फ	स	री	लि	का
र	ता	सं	क	ट

1. तिरुपति एक यात्रा स्थान है।
2.
3.
4.
5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. चिल्हना : च् + इ + ल् + ल् + आ + न् + आ
2. रेगिस्टान :
3. धैर्य :
4. संकल्प :
5. पथर :



अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के आधार पर चार शब्द बनाइए।

1. पानी - नीरज - जलज - जमाना - नाम - मगर

2. तिनका -
3. सहायता -
4. अचानक -
5. सफर -

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. माल = कीमती वस्तु, रूपया
2. सबेरा =
3. शुरू =
4. नज़र =
5. पानी =



इ) विलोम शब्द लिखिए ।

1. दिन × रात
2. आगे ×
3. अंधेरा ×
4. सबेरा ×
5. बेचना ×



सृजनात्मकता

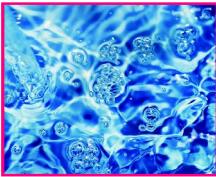
अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए ।

1.  ऊँट बड़ा जानवर है ।
2. 



3.

.....



4.

.....



5.

.....

आ) परियोजना कार्यः

सफलता से संबंधित एक छोटी सी कहानी लिखिए।

इ) अनुवाद कीजिए।

1. सफर करने से मजा आता है।
2. संकट स्थिति में सोचना चाहिए।
3. आँखों में तिनका आ गिरा।
4. नेता सबका आदर्श होता है।
5. प्रयास के कारण सफलता मिलती है।



व्याकरणांश

1. नेता आगे जा रहे थे।
2. अंधेरे के कारण वे रास्ता भटक गये।
3. वे सब अपने नेता पर चिल्हने लगे।
4. पथर टूटते ही पानी ऊपर आया।
5. सभी लोगों ने अपनी प्यास बुझाई।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द किसी के द्वारा किए जानेवाले काम को सूचित करते हैं।

परिभाषा: जिस शब्द से किसी काम के होने या करने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
उदाः- पढ़ना, चलना, दौड़ना, बैठना, खाना, लिखना आदि।

अ) निम्न लिखित वाक्यों में क्रिया शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. सरिता कविता लिखती है।
2. लड़के मैदान में खेल रहे हैं।
3. वासु घर में खाना खाता है।
4. मोर नाचता है।



आ) वाक्यों में क्रिया शब्दों को पहचान कर लिखिए।

1. सरला गाड़ी चलाती थी।
2. रवि घर में खाना खाता था।
3. पिताजी आज बाजार जाते हैं।
4. वह टी.वी. में सिनेमा देखती है।

इ) नीचे दिये गये क्रिया शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. चढ़ना : लड़का पेड़ पर चढ़ता है।
2. तैरना :
3. बोलना :
4. हँसना :
5. सुनना :

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. इस पाठ को पढ़कर मैं प्रेरणा पा सकता / सकती हूँ।		
3. क्रिया के शब्दों को जान सकता / सकती हूँ।		
4. चित्रों को देखकर बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों केलिए सूचना :

बच्चों को कुछ अन्य जातक कथाएँ सुनाइए।



सोचिए - बोलिए



A

प्रश्न

- इस चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
- कपड़े बनानेवाले को क्या कहते हैं ?

आँध्र प्रदेश के धर्मवरम्, माधवरम्, उप्पाडा, पोंटूरु, पाटूरु, गाँव हथ करघे से बनी साडियों के लिए प्रसिद्ध हैं। एटिकोप्पाका, बोब्बिली आदि स्थान खिलौनों के लिए मशहूर हैं। चलिए, आज हम ऐसी ही हस्तकलाओं के लिए प्रसिद्ध एक और गाँव के बारे में जानेंगे।

12. कोंडापल्ली की यात्रा

आँध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गाँव है। इस का नाम कोंडापल्ली है। यह विजयवाडा से 24 कि.मी. की दूरी पर है। यह प्रांत हाथ से बनी लकड़ी के खिलौनों के लिए प्रसिद्ध है। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। एक दिन पाठशाला के कुछ छात्र अपने अध्यापक के साथ रविवार को कोंडापल्ली की यात्रा पर गये। वहाँ पर एक पुराना किला है। इस किले को 14 वीं शताब्दी के राजाओं ने बनाया। इसे देख कर बच्चे बहुत खुश हुए। उसके बाद वहाँ के खिलौने देखने गए।



1. अपने गाँव की हस्तकलाओं के बारे में आप क्या जानते हैं ?



यहाँ कई प्रकार के खिलौने बनते हैं। इन खिलौनों में दशावतार, ताड़ का पेड़, बैलगाड़ी, गीतोपदेश, पालकी, वर-वधु, नर्तकी, हाथी का हौदा, ग्रामीण वातावरण के खिलौने प्रसिद्ध हैं।

आजकल ये हस्तकलाएँ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। आँध्र प्रदेश सरकार 'लेपाक्षी' नामक विक्री केंद्रों द्वारा इन्हें बेचती है। इससे कारीगरों को आजीविका और प्रोत्साहन मिलता है।



पाठ का सारांश

कोंडापल्ली की यात्रा पाठ में हस्तकलाओं के बारे में वर्णन है। कोंडापल्ली आँध्रप्रदेश का प्रसिद्ध हस्तकला केंद्र है। यहाँ बने अनेक तरह के लकड़ी के खिलौनों में कारीगरों का कौशल दिखाई देता है। संक्रांति पर्व के दिन गोलू रखा जाता है। हमें हस्तकलाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए।

शब्दार्थ :

- | | | | | | |
|------------|---|--------|------------|---|--------|
| 1. लोग | = | जनता | 2. नज़दीक | = | पास |
| 3. अध्यापक | = | शिक्षक | 4. रविवार | = | इतवार |
| 5. बिक्री | = | विक्रय | 6. आजीविका | = | रोजगार |

श्रुतलेख :

कोंडापल्ली आँध्र प्रदेश लेपाक्षी हस्तकला अध्यापक खिलौने



सुनिए-बोलिए

1. आँध्रप्रदेश की हस्त कलाओं के बारे में बताइए।
2. कोंडापल्ली किले का निर्माण किस शताब्दी में हुआ?
3. गोलू किसे कहते हैं?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|--------------------|--------------------------|
| 1. गोलू | अ. हाथ करघे से बनी साड़ी |
| 2. तेल्ल पोणिकी | आ. लकड़ी से बना खिलौना |
| 3. दशावतार | इ. नरम लकड़ी |
| 4. धर्मवरम | ई. 14 वी. शताब्दी |
| 5. कोंडापल्ली किला | उ. बोम्मल कोलुवु |

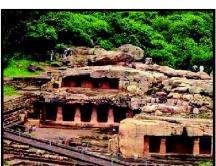
आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रम संख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. आजकल ये हस्तकलाएँ लुप्त होती जा रही हैं। ()
2. तेलुगु में गोलू को बोम्मला कोलुवु कहते हैं। ()
3. इस किले का निर्माण 14 वीं शताब्दी में हुआ। (1)
4. इससे कारीगरों को आजीविका मिल रही है। ()
5. उसके बाद कोंडापल्ली के खिलौने देखने गए। ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|------------|---------|----------|---------|
| 1. खिलौना | खिलाना | खिलोना | किलौना |
| 2. अध्यापक | अध्यापक | अध्यापका | आध्यापक |
| 3. कारीगर | कारगर | करीगर | कारीगार |
| 4. पाठशाला | पाठशाल | पठशाला | पाठशला |
| 5. आजीविक | आजीविका | आजिविका | आजीवका |

ई) नीचे दिए गए वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | |
|----|---|---------------------------------|
| 1. |  | यह गुफा है । |
| 2. |  | अध्यापक पढ़ाते हैं । |
| 3. |  | लड़कियाँ खिलौनों से खेलती हैं । |
| 4. |  | बच्चे खाते हैं । |
| 5. |  | आम का पेड़ बड़ा है । |



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. कोंडापल्ली विजयवाड़ा से कितने किलोमीटर की दूरी पर है ?
2. कोंडापल्ली में खिलौने बनानेवालों को सरकार किस तरह प्रोत्साहन दे रही है ?

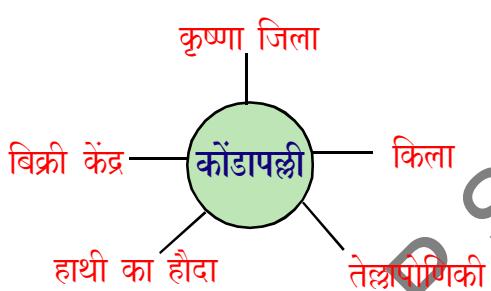
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए।

“कोंडापल्ली यात्रा” पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

1. कोंडापल्ली जिले में है। (कृष्णा / कड़पा)
2. कोंडापल्ली के लिए मशहूर है। (चित्रकला / खिलौनों)
3. गोलू त्यौहार के दिनों में रखा जाता है। (संक्रांति / उगादी)
4. खिलौने रंगों से रंगे जाते हैं। (प्राकृतिक / कृत्रिम)
5. कोंडापल्ली देखने के दिन गए। (सोमवार / रविवार)

ई) संकेतों के आधार पर वाक्य बनाइए।



1. कोंडापल्ली कृष्णा जिले में है।
2.
3.
4.
5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए।

1. खिलौना : ख + इ + लू + औ + न् + आ
2. कोंडापल्ली :
3. संक्रांति :
4. गोलू :
5. प्रसिद्ध :



भाषांश

अ) वर्ग पहेली से पाठ में आये शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

गो	लू	कृ	ष्णा
सं	खि	लौ	ने
क्रां	प्र	सि	छ
ति	ल	क	डी
कों	ड़ा	प	ल्ली

1. कृष्णा
2.
3.
4.
5.

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. हाथ - कर, हस्त
2. पाठशाला -
3. छात्र -
4. दर्शन -
5. कारीगर -

AP SCERT



इ) विलोम शब्द लिखिए।

1. शहर × गाँव
2. प्रसिद्ध ×
3. बेचना ×
4. खुश ×
5. पास ×





सृजनात्मकता

अ) किसी एक यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आ) परियोजना कार्य :

- मिट्टी या कागज से खिलौनों को बनाकर कक्षा में दिखाइए।

इ) अनुवाद कीजिए।

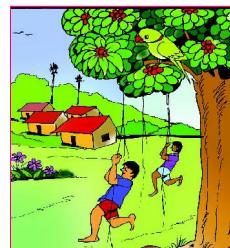
- बच्चों को खिलौने पसंद हैं।
- वीणा लकड़ी से बनाई जाती है।
- दिल्ली देश की राजधानी है।
- बैंगलूरु सुंदर नगर है।
- हिंदी सरल भाषा है।



व्याकरणांश



हिरन तेज दौड़ता है।



बच्चे बाहर खेलते हैं।



कछुआ धीरे-धीरे चलता है।



सूरज प्रतिदिन उगता है।

क्रिया विशेषण

रेखांकित शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं। क्रिया की विशेषता बतानेवाले शब्दों को क्रिया-विशेषण कहते हैं।

उदा : धीरे-धीरे, तेज, बाहर, प्रतिदिन, खूब आदि।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में क्रिया - विशेषण शब्द को पहचानकर लिखिए।

- | | |
|-----------------------------------|-----------|
| 1. दीपा <u>धीरे-धीरे</u> खाती है। | धीरे-धीरे |
| 2. परसों मैं दिल्ली जाऊँगा। | |
| 3. नदी निरंतर बहती है। | |
| 4. तुम जल्दी आओ। | |
| 5. रमा वहाँ बैठी है। | |

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. मैं कोंडापल्ली के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. मैं कोंडापल्ली की यात्रा पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ।		
4. मैं पाठ से संबंधित क्रिया विशेषण शब्दों को पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों केलिए सूचना :

लकड़ी से बने खिलौनों केलिए प्रसिद्ध अन्य प्रदेशों के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।



Academic standards / Learning Outcomes

शैक्षिक मापदंड / सीखने की संप्राप्ति

1. सुनना-बोलना:-

- * सुनकर जानी हुई बातें प्रकट करना ।
- * सुने हुए अंशों के बारे में कौन? क्या? कहाँ? जैसे प्रश्नों के उत्तर देना?
- * सूचनाएँ सुनकर अर्थ-ग्रहण करके उसी के अनुसार कर सकना ।
- * सुनते समय शब्दों के उच्चारण भेदों को पहचानना ।
- * जाने हुए और देखे हुए विषयों के बारे में स्वतंत्रता से बोल सकना ।
- * चित्रों के आधार पर बोल सकना कौन है? क्या हो रहा है? क्या कर रहे हैं? जैसे विषयों के बारे में बोल सकना ।
- * द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को स्पष्ट रूप से उच्चारण कर सकना ।

2. पढ़ना:-

- * गीत और कविताओं में वाक्यों को पहचान सकना ।
- * दिये गये विषयों में द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को पहचान सकना ।
- * वाक्यों को पढ़ते समय शब्दों का उच्चारण स्पष्ट रूप से हो सकना ।
- * चित्रों से सही शब्द जोड़ सकना ।
- * पाठ पढ़कर अर्थ ग्रहण कर सकना ।

3. लिखना:-

- * छोटे-छोटे वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिख सकना ।
- * संकेतों के आधार पर शब्द बना सकना ।
- * वर्ण विच्छेद कर सकना ।
- * अपने शब्दों में पाठ का सारांश लिख सकना ।

4. सृजनात्मकता / भाषांश:

- * गीत और कविताओं को लय के अनुसार गाना ।
- * चित्र देखकर शब्द लिखना ।
- * छोटे-छोटे वाक्यों को अपनी भाषा में अनुवाद करना ।
- * शब्द कोश का उपयोग करते हुए शब्दार्थ और पर्यायवाची शब्दों को अध्ययन करना ।
- * अंत्याक्षरी विधि से नये शब्द बनाना ।

5. व्याकरणांश

- * व्याकरणाशों का ज्ञान प्राप्त करना । (संयुक्ताक्षर, द्वित्वाक्षर, रेफ, संज्ञा, वचन, लिंग, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण)
- * व्याकरण के नियमों को स्पष्ट रूप से पहचानना, संदर्भानुसार व्याकरण दोषों के बिना लिख सकना ।

महीनों के नाम

जनवरी	-	January	-	జనవరి
फरवरी	-	February	-	ఫెబ్రవరి
मार्च	-	March	-	మార్చి
अप्रैल	-	April	-	ఏప్రిల్
मई	-	May	-	మే
जून	-	June	-	జూన్
जुलाई	-	July	-	జూలై
अगस्त	-	August	-	ఆగస్టు
सितंबर	-	September	-	సెప్టెంబర్
अक्टूबर	-	October	-	అక్టోబర్
नवंबर	-	November	-	నవంబర్
दिसंबर	-	December	-	డిసంబర్

रिस्तेदार

माँ, माता	-	Mother	-	తల్లి
बाप, पिता	-	Father	-	తండ్రి
भाई	-	Brother	-	సోదరుడు
बहन	-	Sister	-	సోదరి
मामा	-	Uncle	-	మావయ్య
मामी	-	Aunt	-	అత్తయ్య
चाचा	-	Uncle	-	బాబాయి, చిన్నాన్న
चाची	-	Aunt	-	పిన్ని, చిన్నమ్మ
ताऊ	-	Uncle	-	పెద్ద నాన్న
ताई	-	Aunt	-	పెద్దమ్మ

ऋतु / मौसम

वसंत	-	Spring season	-	వసంత ఋతువు
ग्रीष्म	-	Summer season	-	గ్రీష్మ ఋతువు
वर्षा	-	Rainy season	-	వర్షా ఋతువు
शरద्	-	Autumn season	-	శరద్ ఋతువు
हेमंत	-	Pre-Winter season	-	హేమంత ఋతువు
शिशिर	-	Winter season	-	శిశిర ఋతువు

विद्यालय संबंधी

अध्यापक	-	Teacher	-	ఉపాధ్యాయుడు
अध्यापिका	-	Teacher (Lady)	-	ఉపాధ్యాయిని
छात्र	-	Student (Boy)	-	విద్యార్థి
छात्रा	-	Student (Girl)	-	విద్యార్థిని
मेज़	-	Table	-	మేజ్ బ్లూ
कुर्सी	-	Chair	-	కుర్చీ
श्यामपट	-	Black Board	-	నల్లబల్
पुस्तक, किताब	-	Book	-	పుస్తకము
कलम	-	Pen	-	కలము
पेंसिल	-	Pencil	-	పెనీల్

शब्दकोश

कूकना	=	कూయుటు, chirp	रविवार	=	ఆదివారము, Sunday.
गलती	=	పోరపాటు, mistake	లోభ	=	లోభము, greed
गाँव	=	గ్రామము, village	लోగ	=	ప్రజలు, people.
घोलना	=	కలపడము, mix.	వికాస	=	అభివృద్ధి, development
शరుबत	=	పోసీయము, juice	సందేశా	=	సందేశము, message.
जल्दी	=	తొందరగా, soon, hurry	సంసార	=	ప్రపంచము, world
डाली	=	కొమ్మ, branch	సతగురు	=	సద్గురువు, Sadguru
नया	=	కోత్త, new	సుఖ	=	ఉదయము, morning.
नज़दीक	=	దగ్గర, close	సమझానా	=	విపరించుట, explain.
थ्यास	=	దప్పిక, thirst	సమझనా	=	తెలుసుకోవడం, know.
पैदल	=	जాలినడక, on foot	సముద్ర	=	సముద్రము, sea
बातचीत	=	సంభాషణ, conversation.	సంకల్ప	=	సంకల్పము, determination.
मेघ	=	మేఘాలు, clouds.	సఫర	=	యాత్ర, travel.
महात्मा	=	సత్యరూపుడు, great person	సచ	=	విజము, truth.
मीन	=	చేప, fish	సావధానీ	=	జాగ్రత్త, caution.